MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 23 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-140

हिन्दू भी गौ-हत्यारे?

आंदोलन से नहीं, पालन से बचेगी माता: कमलेश जी

बेंगलुरु, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्र संत श्री कमल मुनि कमलेश जी महाराज सा. ने कहा कि एक ओर लोग गाय को माता कहकर उसकी पूजा करते हैं, वहीं दूसरी ओर उसे प्लास्टिक एवं गंदगी खाने के लिए छोड़ देते हैं। गोचर भूमि पर कब्जा करना और चमड़े की वस्तुओं का उपयोग करना भी गौ संरक्षण की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य करने वाले लोग भी किसी न किसी रूप में गोहत्या के भागीदार हैं।

राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश ने यहाँ आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोग संगमरमर के भव्य गौ मंदिरों पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन जब गाय दूध देना बंद कर देती है तो उसे लावारिस छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि एक गाय की सेवा करना पांच मंदिर बनाने से भी बड़ा पुण्य है।

उन्होंने कहा कि देश में लाखों मंदिर हैं और यदि प्रत्येक मंदिर सौ-सौ गोवंश का पालन करे तो कोई भी गाय कटने के लिए नहीं जाएगी। गौमाता आंदोलन से नहीं, बल्कि पालन-पोषण से बचेगी।

गौ मंत्रालय गठन की माँग

उन्होंने कहा कि जब सरकार मछली मंत्रालय बना सकती है तो गौ मंत्रालय क्यों नहीं बनाया जा सकता। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक प्राणी की रक्षा करना सरकार का परम कर्तव्य है। सरकार यदि पानी और वृक्षों पर खर्च कर सकती है तो पशु संरक्षण पर भी गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पशुओं का कत्ल करना पर्यावरण कानून की हत्या के समान है।

मुनि कमलेश ने कहा कि गोहत्या के लिए किसी एक समुदाय को दोषी ठहराना सरासर अन्याय है। हम सभी कहीं न कहीं इसके भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भगवान श्रीकृष्ण और भगवान महावीर की भूमि विश्व में गौमांस निर्यात के मामले में दूसरे स्थान पर बदनाम हो रही है, जो सरकार के लिए कलंक की बात है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के प्रमुख मदनी तथा दारुल उलूम देवबंद ने भी गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की है और ईद पर गाय की कुर्बानी नहीं करने का निर्देश दिया है। उन्होंने दावा किया कि कुरान में भी गौहत्या को अवैध माना गया है।

जैन संत ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कुछ हिंदू कुर्बानी के लिए गाय लेकर बाजार पहुंचे, लेकिन मुस्लिम समाज के लोगों ने यह कहकर मना कर दिया कि यह आपकी माता है, आप इसका पालन करें। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द और आदर्श का उदाहरण बताया।

राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग

अंत में राष्ट्र संत ने कहा कि हिंदू और मुस्लिम दोनों समाज मिलकर गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।

इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता अमरचंद गुंदेचा, सुनील नंदावत, जसवंत गन्ना, रितेश पामेचा, रूपचंद लोढ़ा, देवराज बोहरा, मनोज नंदावत, मनीष दक, अशोक पोखरना तथा महिला मंडल से मीना पीतलिया, गुनमाला जैन, नगीना गन्ना सहित अनेक लोगों ने गुरुओं का अभिनंदन किया। आयोजकों ने बताया कि रविवार को वीरांगना सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

44 साल के बेटे को दो माह जेल

बुज़ुर्गों की अनदेखी की कड़ी सज़ा

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में एक मामला सामने आया है, जहां बुजुर्ग माता-पिता को लगातार प्रताड़ित और परेशान करने वाले 44 वर्षीय व्यक्ति को अदालत ने 60 दिन की जेल की सजा सुनाई है। स्थानीय अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए कारावास के साथ जुर्माना भी लगाया है।

बुजुर्ग माता-पिता ने नारायणगुडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई।पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान जी श्रीनिवास के रूप में हुई है, जो एक निजी कर्मचारी है। आरोप है कि वह लंबे समय से अपने वृद्ध माता-पिता को परेशान और प्रताड़ित कर रहा था। लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर बुजुर्ग माता-पिता ने 21 मई को नारायणगुडा पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सिटी पुलिस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई और सबूत जुटाए गए।

मामले की जांच नारायणगुडा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर जे. श्रीकांत रेड्डी ने की। पुलिस के अनुसार जांच अधिकारी ने मामले की गहराई से पड़ताल करते हुए मजबूत साक्ष्य इकट्ठा किए। जांच पूरी होने के बाद आरोपी को नामपल्ली स्थित वी स्पेशल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया।

पुलिस द्वारा पेश किए गए सबूतों और मामले के तथ्यों को देखने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने पाया कि आरोपी ने अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ गलत व्यवहार और प्रताड़ना की थी।

अदालत ने आरोपी जी. श्रीनिवास को 60 दिनों के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही उस पर 50 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। पुलिस ने कहा कि मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया था।

यह मामला बुजुर्ग माता-पिता के साथ होने वाली प्रताड़ना और पारिवारिक हिंसा को लेकर एक गंभीर उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

डिप्टी कलेक्टर के पास करोड़ो की संपत्ति

बे-नाम बादशाह

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मेडचल-मलकाजगिरी जिले में तैनात विशेष श्रेणी के डिप्टी कलेक्टर (यूएलसी) मर्री वामशी मोहन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) का मामला दर्ज किया है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार जब्त की गई कुल संपत्ति का मूल्य लगभग 6.22 करोड़ रुपये आंका गया है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसका वास्तविक बाजार मूल्य (मार्केट वैल्यू) इससे काफी ज्यादा होने की उम्मीद है। यह मामला दर्ज होने के बाद पता चला है कि अधिकारी ने अपनी सेवा के दौरान भ्रष्ट आचरण और संदिग्ध तरीकों से इस भारी संपत्ति को अर्जित किया था।

बीती 22 मई को एसीबी के अधिकारियों ने डिप्टी कलेक्टर के आवास, कार्यालय सहित उनके रिश्तेदारों और करीबियों से जुड़े 11 अन्य स्थानों पर एक साथ (तड़के) छापेमारी की। इस समन्वित तलाशी के दौरान अधिकारियों के हाथ संपत्तियों का एक बड़ा जखीरा लगा है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं- अचल संपत्ति (रियल एस्टेट): 4.46 करोड़ रुपये मूल्य के 19 खुले प्लॉट; ▶8पर

क्रीमी लेयर अखरा!

नयी दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को लेकर आज अहम सवाल उठाया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या आरक्षण के जरिए शैक्षिक और आर्थिक उन्नति हासिल कर चुके परिवारों के बच्चों को भी ओबीसी आरक्षण का लाभ मिलता रहना चाहिए? न्यायालय ने कहा कि जबकि ये देखा जा रहा है कि ऐसी उन्नति से सोशल मोबिलिटी भी होती है। कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी किया है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं आया है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने कहा, अगर दोनों माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं तो उन्हें आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है, तो फिर बच्चों के लिए आरक्षण की मांग करना कभी भी इससे बाहर नहीं निकल पाएगा। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें विचार करना होगा। साथ ही, इसका क्या फायदा? आप आरक्षण दे रहे हैं। माता-पिता ने पढ़ाई की है, वे अच्छी नौकरियों में हैं, उनकी अच्छी आय है, और बच्चे फिर से आरक्षण चाहते हैं। देखिए, उन्हें आरक्षण से बाहर कर देना चाहिए।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान की पीठ ने ये टिप्पणियां कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कीं, जिसमें याचिकाकर्ता को क्रीमी लेयर के आधार पर आरक्षण से बाहर रखने के फैसले को बरकरार रखा गया था। याचिकाकर्ता के माता-पिता दोनों राज्य सरकार के कर्मचारी हैं।

सुप्रीम सवाल-बच्चों को भी क्यों?

यह मामला कर्नाटक के पिछड़े वर्गों में श्रेणी 2(ए) के अंतर्गत आने वाले कुरुबा समुदाय के एक उम्मीदवार से संबंधित है, जिनका चयन आरक्षित श्रेणी के तहत कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता (विद्युत) के पद पर हुआ था। हालांकि, जिला जाति एवं आय सत्यापन समिति ने उन्हें क्रीमी लेयर में पाते हुए जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया। उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय लगभग 19.48 लाख आंकी गई थी। अधिकारियों ने गौर किया कि दोनों माता-पिता सरकारी कर्मचारी थे और उनकी संयुक्त आय निर्धारित क्रीमी लेयर सीमा से अधिक थी। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बार-बार चिंता व्यक्त की कि परिवारों की सामाजिक और आर्थिक प्रगति के बावजूद आरक्षण का लाभ जारी रखा जा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की कि आर्थिक और शैक्षिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक स्थिति में सुधार होता है। उन्होंने उन बच्चों को आरक्षण का लाभ देने के औचित्य पर भी सवाल उठाया, जिनके माता-पिता शिक्षित हैं, अच्छी नौकरी करते हैं और उनकी आय पर्याप्त हैं।

सुनवाई के दौरान, जस्टिस नागरत्ना ने बार-बार चिंता जताई कि परिवारों के सामाजिक और आर्थिक रूप से तरक्की करने के बाद भी रिजर्वेशन के फायदे मिलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक और एजुकेशनल एम्पावरमेंट से सामाजिक स्थिति बेहतर होती है। उन बच्चों को रिजर्वेशन के फायदे देने के सही होने पर भी सवाल उठाया, जिनके माता-पिता पढ़े-लिखे हैं, अच्छी नौकरी करते हैं और अच्छी-खासी कमाई करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ बैलेंस होना चाहिए। सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़े हैं, हां, लेकिन एक बार जब माता-पिता आरक्षण का फायदा उठाकर एक लेवल तक पहुंच जाते हैं, अगर वे दोनों आईएएस ऑफ़िसर हैं, दोनों सरकारी सर्विस में हैं, तो वे बहुत अच्छी जगह पर हैं। सोशल मोबिलिटी है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 28^0

तुलसी हटीं-कारण निजी

मोदी प्रशंसक, ट्रंप ने सराहा

वाशिंगटन/नयी दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)।

तुलसी गबार्ड ने अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है। गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बैठक के दौरान उन्हें इस बारे में सूचित किया। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक कार्यालय में उनका अंतिम दिन 30 जून होने की उम्मीद है। तुलसी गबार्ड भारतवंशी हैं। तुलसी के इस्तीफा देने के बाद भी ट्रंप ने उनकी जमकर तारीफ की है।

पति को हुआ दुर्लभ हड्डी कैंसर

फॉक्स न्यूज डिजिटल को उनका औपचारिक इस्तीफा पत्र विशेष रूप से प्राप्त हुआ है, जिसमें गबार्ड ने ट्रंप को लिखा है कि आपने मुझ पर जो भरोसा जताया और

पिछले डेढ़ साल से राष्ट्रीय खुफिया निदेशक कार्यालय का नेतृत्व करने का जो अवसर दिया, उसके लिए मैं आपकी हार्दिक आभारी हूं। दुर्भाग्यवश, मुझे 30 जून, 2026 से प्रभावी अपना इस्तीफा देना होगा। मेरे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर के एक अत्यंत दुर्लभ प्रकार का पता चला है। हमारे परिवार के लिए इस बेहद निजी और कठिन समय में आपकी समझदारी के लिए धन्यवाद। गैबर्ड ने आगे कहा, डीएनआई के रूप में हमारे देश की सेवा करने का यह गहरा सम्मान प्रदान करने के लिए मैं आपके और अमेरिकी जनता के प्रति सदा आभारी रहूंगी।

डीएनआई गबार्ड के क्रांतिकारी कदम

डीएनआई के रूप में गैबर्ड ने खुफिया समुदाय को नया रूप देने के लिए एक क्रांतिकारी प्रयास शुरू किया एजेंसी का आकार कम किया और करदाताओं के प्रतिवर्ष 700 मिलियन डॉलर से अधिक की बचत की, खुफिया समुदाय में विविधता और समावेशन (डीईए) ▶8पर

भोजशाला आदेश के बाद पहला शुक्रवार

मंदिर में महाआरती, घरों में नमाज़

धार, 22 मई (एजेंसियां)।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर इंदौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद पहला शुक्रवार खासा अहम और संवेदनशील रहा। करीब 20 साल बाद हालात बदले नजर आए जहां एक ओर परिसर में पूरे दिन पूजा-अर्चना और महाआरती होती रही, वहीं नमाज मस्जिदों और घरों में अदा की गई। शहर में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गये। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार को भोजशाला परिसर में सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो गई, जो दिनभर जारी रही। यहां महाआरती का आयोजन भी हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। परिसर में भक्ति का माहौल देखने को मिला लोग जयकारे लगाते और भजन गाते नजर आए। लंबे समय बाद ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह था।

इस बार परंपरा में बदलाव करते हुए मुस्लिम समाज ने भोजशाला परिसर में नमाज अदा नहीं की। नमाज अपने-अपने घरों और स्थानीय मस्जिदों में अदा की गई। फैसले के विरोध में कई जगहों पर मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। हालांकि विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। ▶8पर

ईरान-अमेरिका को मनाने के प्रयासों में प्रगति के संकेत डेमोक्रेट ट्रंप की शक्तियों पर अंकुश नहीं लगा पाए

तेहरान/वाशिंगटन

पश्चिम एशिया और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्याप्त तनाव के बीच अमेरिका-ईरान शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच प्रगति के संकेत है। मध्यस्थ देश दोनों को टकराव से पीछे हटने के लिए मना रहे हैं। कोशिश है फिलहाल दोनों स्थाई समझौता कर लें। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य अभियान संबंधी शक्तियों पर अंकुश लगाने की डेमोक्रेट्स की कोशिश सफल नहीं हो पाई है। विधेयक के लिए हाउस में लाया गया मतदान का प्रस्ताव सिरे नहीं चढ़ सका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच कई देशों के माध्यम से बातचीत चल रही है। दोनों पक्ष संघर्ष को खत्म करने के लिए एक समझौते का औपचारिक ढांचा तैयार करने की कोशिश में एक-दूसरे को संदेश और मसौदा भेज रहे हैं। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि समझौता करीब है, जबकि एक सूत्र ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि कोई अंतिम समझौता हो पाएगा या नहीं। अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को इससे पहले कहा था कि समझौते के कुछ अच्छे संकेत मिल रहे हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान अपने यूरेनियम के भंडार को खत्म नहीं करता है, तो उसके खिलाफ बहुत कड़े कदम उठाए जाएंगे। इस बीच अमेरिका में हाउस रिपब्लिकन ने ईरान युद्ध विधेयक पर मतदान को रद कर दिया। अगर ऐसा नहीं होता तो ट्रंप की शक्तियां सीमित हो जातीं और उन्हें युद्ध से पीछे हटना पड़ता ने के लिए मजबूर करता। मतदान को जून तक के लिए टाल दिया गया है। इस विधेयक को पेश करने वाले डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, हमारे पास पर्याप्त संख्या बल था। इसी वजह से वे एक राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। हाउस के डेमोक्रेटिक नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, रिपब्लिकन के नियंत्रण वाला हाउस लगातार ट्रंप प्रशासन की पूरी तरह से सहायक कंपनी की तरह बर्ताव कर रहा है। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन ने कायरता दिखाते हुए युद्ध शक्तियों से जुड़े प्रस्ताव पर होने वाला मतदान रद कर दिया। यह एक ऐसा कानून था जो दोनों पार्टियों के समर्थन से पास हो जाता और राष्ट्रपति को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए मजबूर करता। हाउस रिपब्लिकन नेता स्टीव स्केलाइज़ ने पत्रकारों को बताया कि मतदान इसलिए टाला गया ताकि उन सांसदों को वोट देने का मौका मिल सके जो उस समय उपस्थित नहीं थे। हाउस स्पीकर माइक जानसन ने हाउस चैंबर से बाहर निकलते समय पत्रकारों के सवालों के कोई जवाब नहीं दिए।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया की सबसे महंगी किताब गूटेनबर्ग बाइबिल की कीमत है चौकाने वाली

वाशिंगटन। क्या आप जानते है, ऐतिहासिक और अनमोल किताब गूटेनबर्ग बाइबिल को दुनिया की सबसे महंगी किताब माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार इस पुस्तक ने पूरी दुनिया में ज्ञान के प्रसार का तरीका बदल दिया और आधुनिक प्रिंटिंग युग की नींव रखी। यह किताब करीब वर्ष 1455 में जर्मनी के प्रसिद्ध मुद्रक योहानेस गूटेनबर्ग द्वारा छापी गई थी। यही वजह है कि आज इसे मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण किताबों में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक एक पूरी गूटेनबर्ग बाइबिल की अनुमानित कीमत आज 25 मिलियन डालर से लेकर 150 मिलियन डालर तक पहुंच सकती है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब 200 करोड़ रुपये से लेकर 1,250 करोड़ रुपये तक बैठती है। हालांकि इतनी बड़ी कीमत होने के बावजूद यह किताब बाजार में लगभग कभी बिकने के लिए उपलब्ध नहीं होती। इसकी ज्यादातर बची हुई प्रतियां दुनिया की प्रतिष्ठित लाइब्रेरी, संग्रहालयों और विश्वविद्यालयों में सुरक्षित रखी गई हैं। गूटेनबर्ग बाइबिल की सबसे बड़ी खासियत यह मानी जाती है कि यह पश्चिमी दुनिया की पहली बड़ी किताब थी, जिसे मूवेबल टाइप प्रिंटिंग तकनीक से छापा गया था। इससे पहले किताबें हाथ से लिखी जाती थीं, जिनमें बहुत समय और मेहनत लगती थी। योहानेस गूटेनबर्ग ने अपनी नई प्रिंटिंग तकनीक के जरिए किताबों को बड़े पैमाने पर छापना संभव बनाया, जिसने यूरोप में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार को नई गति दी। इतिहासकारों के अनुसार इस किताब की कुल 180 प्रतियां छापी गई थीं, लेकिन समय के साथ इनमें से अधिकांश नष्ट हो गईं। आज दुनिया में केवल 49 प्रतियां ही पूरी या आंशिक रूप से बची हुई हैं।

पलक झपकते ही रोबोटिक लड़ाकू विमान एफ-35, राफेल को चटा देंगे धूल

वाशिंगटन। आसमान की जंग में जल्द ही एक ऐसा खौफनाक और हैरतअंगेज मोड़ आने वाला है,

जिसकी कल्पना मात्र से दुनिया के दिग्गज लड़ाकू विमानों के होश उड़ सकते हैं। अभी तक दुनिया एफ-35 लाइटनिंग और राफेल जैसे पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ विमानों और उनके जांबाज इंसानी पायलटों की बहादुरी का लोहा मानती आई है, लेकिन अमेरिकी वायुसेना की ताजा चेतावनी ने पूरी दुनिया के डिफेंस सेक्टर में खलबली मचा दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी वायुसेना के एक शीर्ष जनरल ने खुली चेतावनी दी है कि आने वाले समय में एआई से लैस स्वायत्त यानी आटोनामस रोबोटिक फाइटर जेट्स इंसानी पायलटों को बहुत पीछे छोड़ देंगे। जब आसमान में गगनभेदी रफ्तार से उड़ने वाले सुपरसोनिक विमानों की कमान सुपरकंप्यूटर और एआई एल्गोरिदम के हाथ में होगी, तब पलक झपकते ही फैसले लेने वाले ये रोबोटिक लड़ाकू विमान एफ-35 और राफेल जैसे सर्वश्रेष्ठ इंसानी फाइटर्स को भी धूल चटा देंगे। यह भविष्य के उस विनाशकारी और अत्यधिक तकनीकी युद्ध की शुरुआत है, जहां इंसान सिर्फ तमाशा देखेगा और जंग रोबोट्स जीतेंगे।

ट्रंप के जाते ही जिनपिंग ने पलटा दांव, गेमिंग चिप पर लगाया बैन

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के खत्म होते ही बीजिंग ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक बड़ा दांव चल दिया है।

अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ राष्ट्रपति ट्रंप के हाई-प्रोफाइल बीजिंग दौरे के कुछ ही घंटों बाद चीन ने टेक दिग्गज कंपनी एनवीडिया की लोकप्रिय गेमिंग चिप आरटीएक्स 5090डी वी2 पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। गौर करने वाली बात यह है कि यह वही चीन-फ्रेंडली चिप थी, जिसे विशेष रूप से अमेरिकी सरकार के कड़े एक्सपोर्ट प्रतिबंधों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था ताकि इसे चीनी बाजारों में बेचा जा सके। लेकिन अब चीन ने खुद इस पर ब्रेक लगा दिया है। यह अप्रत्याशित फैसला ट्रंप की राजकीय यात्रा (स्टेट विजिट) समाप्त होने के तुरंत बाद आया, जिसके दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। इस दौरे में ट्रंप के साथ एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग समेत अमेरिका के कई बड़े कार्पोरेट दिग्गज भी शामिल थे। वास्तव में आरटीएक्स 5090डी वी2 एनवीडिया के फ्लैगशिप माडल आरटीएक्स 5090 का एक संशोधित (माडिफाइड) वर्जन है। इसे अमेरिकी एक्सपोर्ट नियमों के दायरे में रखने के लिए कम मेमोरी और कम बैंडविड्थ के साथ डिजाइन किया गया था ताकि चीन के गेमर्स और डिजिटल क्रिएटर्स तक इसकी पहुंच बनाई जा सके। लेकिन जानकारों के मुताबिक, यह मामला केवल गेमिंग तक सीमित नहीं था। इस चिप का उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलपमेंट में भी गुपचुप तरीके से किया जा रहा था क्योंकि इसमें एनवीडिया की अत्याधुनिक ब्लैकवेल आर्किटेक्चर तकनीक शामिल थी।

सुपर एल नीनो जैसी खतरनाक स्थिति हो सकती है विकसित : वैज्ञानिक

वाशिंगटन

वर्ष 2026 के अंत तक सुपर एल नीनो जैसी खतरनाक जलवायु स्थिति विकसित हो सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर देखने को मिलेगा। यह गंभीर चेतावनी दी है विशेषज्ञों ने। प्रशांत महासागर में तेजी से बदलते समुद्री तापमान ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह घटना सूखा, बाढ़, भीषण तूफान, खाद्य संकट और बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान जैसी स्थितियां पैदा कर सकती है। अमेरिका की नेशनल ओशनिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन यानी एनओएए की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक मई से जुलाई 2026 के बीच एल नीनो बनने की संभावना 82 प्रतिशत तक पहुंच गई है। वहीं दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 के दौरान इसके बने रहने की संभावना 96 प्रतिशत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सुपर एल नीनो बनने की आशंका लगातार बढ़ रही है और कुछ मौसम माडल इसे अत्यधिक गंभीर स्तर तक पहुंचने की संभावना जता रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार सुपर एल नीनो उस स्थिति को कहा जाता है जब प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ जाता है। समुद्र के तापमान में यह बदलाव वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करता है। इससे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का संतुलन बिगड़ जाता है और अत्यधिक गर्मी, बारिश या सूखे जैसी स्थितियां पैदा होने लगती हैं।

इतिहास में 1877-78 का सुपर एल नीनो सबसे विनाशकारी माना जाता है। उस दौरान भारत, चीन, ब्राजील और अफ्रीका के कई हिस्सों में भयंकर सूखा पड़ा था। फसलों के नष्ट होने से बड़े पैमाने पर अकाल फैला और करोड़ों लोगों की मौत हुई थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि इस बार भी वैसी स्थिति बनती है तो ग्लोबल वार्मिंग के कारण इसका असर और ज्यादा गंभीर हो सकता है। भारत पर इसका सबसे बड़ा प्रभाव मानसून पर पड़ सकता है। सामान्य तौर पर एल नीनो के दौरान मानसून कमजोर हो जाता है, जिससे वर्षा कम होती है और खरीफ फसलों का उत्पादन प्रभावित होता है। इससे किसानों की आय पर असर पड़ सकता है और खाद्यान्न संकट की स्थिति भी बन सकती है।

लाओस में मिला अनोखा जार, इसमें इंसानी अवशेष सुरक्षित और अछूते मिले

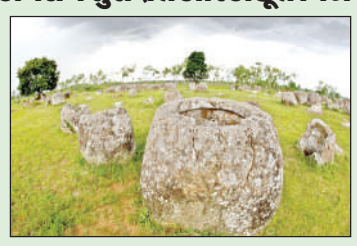

लाओस। लाओस में पुरातत्वविदों को बहुत ही अनोखा और विशाल पत्थर का जार यानी मटका मिला है। इन मटकों को डेथ जार 1 नाम दिया गया है। करीब 12 सौ साल पुराने इस जार की खास बात यह है कि इसके अंदर इंसानी अवशेष बिल्कुल सुरक्षित और अछूते मिले हैं। इतिहास में यह पहली बार है जब किसी ऐसे जार में पुख्ता इंसानी अवशेष मिले हैं। इससे यह साबित होता है कि प्राचीन समय में इनका इस्तेमाल अंतिम संस्कार से जुड़े कामों के लिए किया जाता था। रिसर्चर्स का मानना है कि यह शवों को दफनाने की आखिरी जगह नहीं थी, यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया का सिर्फ एक हिस्सा होता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जार की बनावट लाओस में मिले अन्य जारों से काफी अलग है। इसकी दीवारें बेहद मोटी हैं, इसका निचला हिस्सा चौड़ा है और यह एक बड़े कटोरे जैसा दिखाई देता है। खुदाई में इसके अंदर से पूरे कंकाल नहीं मिले, बल्कि इंसानों के शरीर के कुछ खास हिस्से ही मिले हैं- जैसे, खोपड़ियों को जार के किनारों पर सहेजकर रखा गया था। इसके अलावा हाथ और पैर की हड्डियों को एक साथ गुच्छा बनाकर रखा था। जार के अंदर से कई रंगों के कांच के मोती भी मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जब जार के अंदर मिले दांतों की रेडियोकार्बन डेटिंग की गई, तो वैज्ञानिकों को एक बड़ा सरप्राइज मिला। ये अवशेष उम्मीद से कहीं ज्यादा नए निकले। बच्चों और बड़ों की इन हड्डियों को साल 890 से 1160 ईस्वी के बीच अलग-अलग समय पर इस जार में रखा गया था। इससे यह साफ होता है कि यह किसी एक व्यक्ति की कब्र नहीं थी, बल्कि एक ही बड़े परिवार या पूरे समुदाय के लोग अपनी कई पीढ़ियों के शवों के अवशेषों को रखते थे। वे बार-बार इस जगह का इस्तेमाल करते थे। यह पूरी खोज उत्तरी लाओस के जियांग खौआंग पठार पर हुई है, जिसे प्लेन आफ जार्स कहा जाता है। इस पूरे रहस्यमयी इलाके को पत्थरों को काटकर बनाया गया। यहां 2 हजार से ज्यादा खाली जार बिखरे पड़े हैं। इनकी ऊंचाई 3 से 10 फीट तक है। इन्हें ईसा पूर्व 500 से लेकर 500 ईस्वी के बीच के प्रमुख व्यापारिक रास्तों पर बनाया गया था। हालांकि, भी उस प्राचीन सभ्यता और उनके असली मकसद के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। अब वैज्ञानिक इन हड्डियों की प्राचीन डीएनए जांच करने की तैयारी कर रहे हैं।

नासा ने साझा की अंतरिक्ष की दुर्लभ तस्वीर

वाशिंगटन

हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष की एक ऐसी दुर्लभ तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर ने वैज्ञानिकों के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया है। साझा की तस्वीर में प्रसिद्ध पिनव्हील गैलेक्सी दिखाई दे रही है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में मेसियर-101 या एम-101 कहा जाता है।

यह विशाल गैलेक्सी बैंगनी और गुलाबी रंगों में चमकती नजर आ रही है और इसकी खूबसूरती सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बन गई है। यह तस्वीर नासा के चंद्रा एक्स-रे आब्जरवेटरी द्वारा तैयार की गई है, जिसमें अन्य आधुनिक टेलीस्कोपों से प्राप्त आंकड़ों को भी शामिल किया गया है। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे डेटा को बैंगनी और गुलाबी रंगों में प्रदर्शित किया है, जबकि दृश्य प्रकाश और इन्फ्रारेड तरंगों को अलग-अलग रंगों के साथ मिलाकर यह कंपोजिट इमेज बनाई गई है। इस तकनीक की मदद से वैज्ञानिक गैलेक्सी के भीतर चल रही गतिविधियों, तारों के जन्म और ऊर्जा के स्रोतों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार पिनव्हील गैलेक्सी में एक ट्रिलियन यानी एक हजार अरब से भी अधिक तारे मौजूद हैं। यह गैलेक्सी पृथ्वी से लगभग 21 से 25 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इसकी चौड़ाई करीब 1 लाख 70 हजार प्रकाश वर्ष मानी जाती है, जो हमारी मिल्की वे गैलेक्सी से लगभग दोगुनी है। इसकी सर्पिल भुजाओं में गैस और धूल के विशाल बादल फैले हुए हैं, जहां लगातार नए तारों का निर्माण हो रहा है। गर्म और नीले रंग के युवा तारे इस गैलेक्सी को और अधिक चमकदार बनाते हैं।

नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर इस तस्वीर को साझा करते हुए बताया कि इस तरह की कंपोजिट तस्वीरें वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड की जटिल प्रक्रियाओं को समझने में बड़ी मदद करती हैं। पिनव्हील गैलेक्सी विशेष रूप से सक्रिय स्टार फार्मेशन वाले क्षेत्रों के लिए जानी जाती है और इसे ब्रह्मांड की सबसे सुंदर सर्पिल गैलेक्सियों में गिना जाता है।

यह गैलेक्सी उत्तरी गोलार्ध में उरसा मेजर तारामंडल यानी बिग डिपर के पास स्थित है। साफ और अंधेरी रात में छोटे टेलीस्कोप या दूरबीन की मदद से इसे देखा जा सकता है। इसकी खोज वर्ष 1781 में फ्रांसीसी खगोलशास्त्री पियरे मेचैन ने की थी, जो प्रसिद्ध वैज्ञानिक चार्ल्स मेसियर के सहयोगी थे।

अमेरिका ने ताइवान को हथियारों की बिक्री रोकी

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण ताइवान को हथियारों की बिक्री रोक दी है। उन्होंने यह जानकारी शीर्ष रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल के एक सवाल के जवाब में दी। सीनेट की सुनवाई के दौरान, सीनेटर मैककोनेल ने काओ से कहा, हमने ताइवान को अमेरिका से हथियार खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया है। मगर अचानक से बिक्री रोक दी गई है। इस रोक के बारे में आपको ताइवान की तरफ से क्या जानकारी मिल रही है ।

बलूचिस्तान में में घरों को ध्वस्त किए जाने के आरोपों पर बढ़ा विवाद, मानवाधिकार संगठन ने उठाए सवाल

क्वेटा

बलूचिस्तान के अवारान जिले में कथित सैन्य कार्रवाई के दौरान नागरिकों के घरों को ध्वस्त किए जाने के आरोपों ने क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर एक बार फिर बहस तेज कर दी है। एक बलूच मानवाधिकार संगठन ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसे आम नागरिकों के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई का हिस्सा बताया है।

मानवाधिकार विभाग से जुड़े संगठन ने आरोप लगाया कि 13 मई को अवारान जिले के पीर मशकई और कल्लार क्षेत्र में अभियान के दौरान दो स्थानीय निवासियों के घरों को बुलडोजर से गिरा दिया गया। संगठन का कहना है कि ऐसी घटनाएं क्षेत्र में पहले भी सामने आती रही हैं, जहां परिवारों को कथित तौर पर दबाव, संपत्ति को नुकसान और अन्य कठोर कदमों का सामना करना पड़ा है।

संगठन ने दावा किया कि संबंधित परिवार पहले भी विवादों और सुरक्षा मामलों से जुड़े घटनाक्रमों का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तान की ओर से भी इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हाल के दिनों में दो लोगों के कथित रूप से लापता होने की घटनाओं ने स्थानीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। इनमें एक छात्र और एक प्रवासी चालक का नाम शामिल किया गया है। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि प्रभावित परिवारों को स्पष्ट जानकारी मिल सके। इसी बीच केच जिले में गोलीबारी की एक अलग घटना में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत की भी खबर सामने आई है। स्थानीय सूत्रों ने दावा किया कि घटना सुरक्षा अभियान के दौरान हुई, हालांकि इसकी परिस्थितियों को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

पुतिन-जिनपिंग मुलाकात में वोदका का अहम रोल, यह शराब नहीं, राष्ट्रीय पहचान बनी

रूस की कूटनीति में वोदका उसी तरह शामिल है, जैसे चीन की मेज पर चाय

बीजिंग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन दौरे पर हैं। जब भी बीजिंग में पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात होती है, तो तस्वीरों में वोदका की तस्वीर भी आती है। रूस के लिए वोदका सिर्फ शराब नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पहचान है और चीन के साथ रिश्तों में यही वोदका दोनों देशों की दोस्ती, भरोसे और रणनीतिक साझेदारी को जाहिर करती है। रूस की कूटनीति में वोदका उसी तरह शामिल है, जैसे चीन की मेज पर चाय। ऐसे में क्या वोदका को दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक टूल का काम करती है मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन-जिनपिंग की मुलाकात में वोदका का होना ये

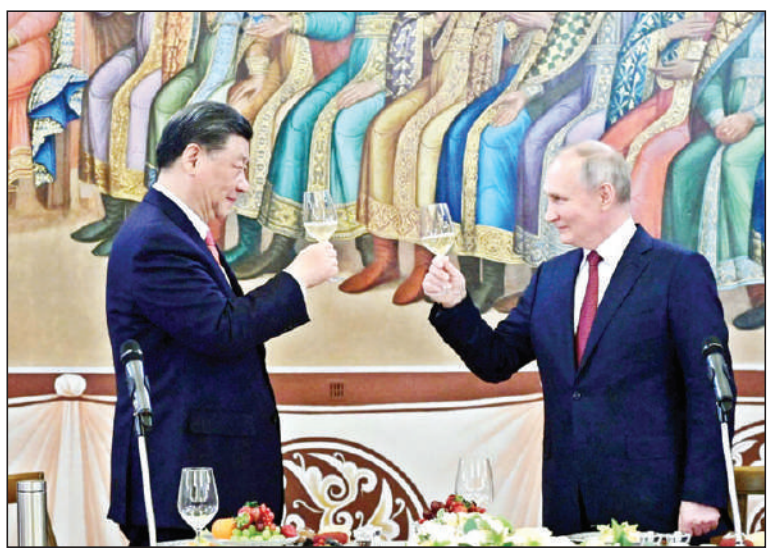

बताता है कि रिश्ता सिर्फ सरकारी नहीं, व्यक्तिगत स्तर तक मजबूत है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ऐसी तस्वीरें बहुत मायने रखती हैं। चीन में रूसी वोदका अब सिर्फ विदेशी शराब नहीं रही, बल्कि रूसी कल्चर का हिस्सा बनकर पेश की जाती है। बीजिंग, शंघाई और शेनझेन के बार और होटल इसे प्रीमियम लाइफस्टाइल से जोड़कर बेचते हैं। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के दबाव के दौर में जब रूस अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ने लगा, तब चीन के साथ साझा डिनर, टोस्ट और वोदका वाली तस्वीरों ने एक साफ संदेश दिया कि बीजिंग अब भी मास्को के साथ है यानी जहां बयान खत्म होते हैं, वहां से वोदका की कूटनीति शुरू होती है। 2013 में आधिकारिक तौर पर पदभार संभालने के बाद से, शी, पुतिन से 40 से अधिक बार मिल चुके हैं, जो पश्चिमी नेताओं के साथ उनकी मुलाकातों की संख्या से कहीं अधिक है।

चीन में वोदका का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जो 2024 में करीब 3.12 अरब डालर था और 2030 तक इसके 4.56 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है। घरेलू स्तर पर सबसे अधिक बिकने वाली शराब, बैजीउ की तुलना में वोदका का बाजार अभी भी छोटा है, लेकिन अब लोग वोदका को पसंद कर रहे हैं और लगातार इसकी बिक्री बढ़ रही है। 2024 की शुरुआत में वोदका के आयात की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है और 2024 से इसमें काफी इजाफा हो रहा है। चीन में वोदका को मार्डन लाइफस्टाइल का हिस्सा माना जा रहा है। चीन में वोदका बाजार ने 2016 से 2021 की अवधि के दौरान 4.92 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 2017 में तो पिछले साल से 15.42 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और 2020 में अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन किया, जब इसमें 2019 की तुलना में -16.12फीसदी की गिरावट आई। 2016 से 2021 के बीच चीन में वोदका बाजार का सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट अनफ्लेवर्ड वोदका था, जिसने 4.92फीसदी की सीएजीआर दर्ज की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई शुभ समाचार मिलेगा. मन में उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों को दूसरों के साथ थोड़ा और अधिक दोस्ताना देखते हैं. अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हा सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जावान रहेंगे. आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. आराम करने के लिए पर्याप्त समय लें.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें और काम करने के तरीके में बदलाव करें. सब ठीक हो जाएंगा.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कारोबारी आज अपनी आंखें खुली रखें, उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा. लेन–देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे. आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं. किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं. व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अगर आपकी प्लानिंग दोषपूर्ण है तो आपके बिजनेस–पार्टनर के साथ रिश्ते कड़वे हो सकते हैं. अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख रिश्तेदारों से सम्बन्ध सुदारने के लिए आज का दिन अनुकूल है ख पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी. उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए.इससे आपको सफलता मिलेगी.जो लोग स्टेशनरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको आज लाभ मिल सकता है.कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.ब्राह्मण को भोजन कराएं, परिवार में खुशियों का आगमन होगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. मार्केटिंग, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है. नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायद–मंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए एक सकारात्मक चरण है. आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे लेकिन आपके कुछ करीबी लोगों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा.आज माता–पिता का सहयोग प्राप्त होगा.सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे.बॉस आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में कोई अवॉर्ड मिल सकता है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 23 मई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ ,शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 04:29 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 02:10 तक
योग : ध्रुव प्रातः 06:13 तक
करण : विष्टि सायं 04:43 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गाअष्टमी , गण्डमूल रात्रि 02:10 तक
भद्रा सायं 04:29 तक , अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री जगन्नाथ सेवा समिति के पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का द्वितीय दिवस संपन्न

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का द्वितीय दिवस श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस–विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित इस महायज्ञ के अंतर्गत द्वितीय दिवस के यज्ञ में मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता ने विधिवत पूजा–अर्चना कर यज्ञ का शुभारंभ किया।

विभिन्न परिवारों ने यज्ञ में दी आहुतियां

दूसरे दिन यज्ञ में विभिन्न परिवारों ने यजमान के रूप में सहभागिता निभाई। इनमें चिरंजी लाल जी–दिलीप कुमार परिवार से दिलीप कुमार एवं श्रीमती नीरा अग्रवाल, गोविंदराम जी–ग्यारसीलाल दिल्लीवाले परिवार से सुरेश कुमार अग्रवाल एवं विमल अग्रवाल, मदनलाल जी–महेश कुमार डाकोतिया परिवार से सचिन एवं शिल्पा डाकोतिया शामिल रहे।

इसके अतिरिक्त सीए सुरेश कुमार अग्रवाल एवं सुमन अग्रवाल, सीए रविंद्र कुमार अग्रवाल एवं शारदा अग्रवाल, महावीर प्रसाद जी–हरि गोविंद अग्रवाल

परिवार से सीए हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल एवं वनिता अग्रवाल, गोपाल मोर एवं संगीता मोर, रामप्रसाद जी–बजरंगलाल गुप्ता परिवार से माणक चंद एवं शीतल गुप्ता, लोकेश गुप्ता एवं शिल्पा गुप्ता तथा रामचंद्र जी–इंद्रलाल जी परिवार से पुनीत अग्रवाल एवं दिव्या अग्रवाल ने भी यज्ञ में भाग लिया।

समिति पदाधिकारी एवं गणमान्यजन रहे उपस्थित

प्रसाद व्यवस्था के संयोजक रंगलाल जी–जेठमल जी बंसल परिवार से बद्री विशाल बंसल एवं अनुराधा बंसल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अजय दोचानिया, विजय कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, परामर्शदाता सुरेंद्र कुमार गोयल, प्रमोद कुमार सरायवाला, गणमान्यजन प्रताप नारायण संघी, अवधेश संघी, विजय सिंघल, सुनील अग्रवाल, चिरंजीलाल पाटनिया, श्रीमती निर्मला संघी, माया अग्रवाल, सरिता डाकोतिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सनातन प्रेमियों से यज्ञ में शामिल होने की अपील

समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकरलाल अग्रवाल ने सभी सनातन प्रेमियों से महायज्ञ में पहुंचकर दर्शन करने एवं प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया।

गौ–रक्षक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा का उग्र प्रदर्शन

पुरानापुल चौराहे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला दहन

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा गोलकोंडा ज़िला इकाई द्वारा पुरानापुल चौराहे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष श्री टी. उमामहेंद्र ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि जिन गौ–रक्षक कार्यकर्ताओं ने अवैध रूप से ले जाई जा रही गायों को बचाने का प्रयास किया था, उन्हीं के खिलाफ पुलिस द्वारा झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इन गिरफ्तारियों को अवैध बताते हुए तत्काल बिना शर्त रिहाई की मांग की।

भाजपा नेताओं ने कहा कि हिंदू परंपराओं एवं धार्मिक आस्थाओं का लगातार अपमान किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगाडप्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार से तेलंगाना में गौ तस्करी एवं गौ हत्या पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौमाता की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है तथा सरकार को इस दिशा में कठोर कदम उठाने चाहिए।

इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र के साथ ज़िला पदाधिकारी, डिवीजन अध्यक्ष, मोर्चा नेता एवं भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और सुरेंद्र (भाजपा जीएस गोलकोंडा ज़िला), एम. कृष्णा (भाजपा जीएस गोलकोंडा ज़िला), श्रीराम व्यास (भाजपा वीपी गोलकोंडा ज़िला), विनय सिंह (भाजपा वीपी गोलकोंडा ज़िला), बी. नरसिमा (भाजपा वीपी गोलकोंडा ज़िला), रमेश लाल यादव (भाजपा सचिव गोलकोंडा ज़िला), नटराज नामधारी (भाजपा सचिव गोलकोंडा ज़िला – प्रेस एवं मीडिया), कल्याणी (भाजपा सचिव गोलकोंडा ज़िला), राहुल यादव, मोहन गौड़, जगदीश यादव, बबलू गौड़, रामू, दीपक, रमेश चोगला, सुदर्शन जी, सोमराज, अनिल सिंह तथा अनेक भाजपा नेता उपस्थित रहे।

मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले को धमकी

दुकान के बाहर सीआरपीएफ तैनात

झाड़ग्राम, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक साधारण झालमुड़ी विक्रेता बिक्रम साऊ उस समय सुर्खियों में आए थे, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी दुकान पर रुककर झालमुड़ी का स्वाद लिया था। लेकिन अब बिक्रम साऊ का दावा है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय नंबरों, विशेषकर पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगातार धमकी भरे फोन और वीडियो कॉल्स आ रहे हैं। दरअसल, 19 अप्रैल को झाड़ग्राम में चुनावी रैली से लौटते समय पीएम नरेंद्र मोदी अचानक सड़क किनारे बिक्रम की दुकान पर रुके। पीएम ने न केवल झालमुड़ी खाई, बल्कि बिक्रम से बातचीत भी की। इस घटना की तस्वीरें और वीडियो रातों–रात वायरल हो गए, जिससे बिक्रम को पीएम के झालमुड़ी वाले के रूप में पहचान मिली।

बिक्रम का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। कॉल करने वाले उन्हें पीएम मोदी से जुड़ने के कारण निशाना बनाने की बात कह रहे हैं।

मामले की गंभीरता और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को देखते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की है।

बिक्रम साऊ की सुरक्षा के लिए उनकी दुकान और आवास के आसपास पुलिस और केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन ने उन इंटरनेशनल नंबरों को ट्रैक करना शुरू कर दिया है जिनसे कॉल आ रहे हैं। इस घटना के बाद झाड़ग्राम के स्थानीय निवासियों में भी चिंता और सनसनी का माहौल है।

बिक्रम ने बताया कि वे एक साधारण दुकानदार हैं और उनका किसी राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है। प्रधानमंत्री का उनकी दुकान पर आना एक सम्मान की बात थी, लेकिन अब जिस तरह से पाकिस्तान और बांग्लादेश से कॉल आ रहे हैं, उससे उनका पूरा परिवार डरा हुआ है। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राधे–राधे ग्रुप ने परिवार को दिया आत्मीयता और अपनत्व का भाव : कमल किशोर कुमावत

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम आज विशेष रूप से भावनात्मक, प्रेरणादायक और पारिवारिक उल्लास से भरपूर रहा। सेवा, संस्कार और सामाजिक समर्पण की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में भाकर राम कुमावत के पोते व दोहिते का जन्मदिन अत्यंत सादगी, आत्मीयता और सेवा भाव के साथ मनाया गया। जन्मदिन के इस विशेष अवसर को जरूरतमंदों की सेवा और अन्नदान से जोड़कर एक प्रेरणादायी संदेश समाज को दिया गया कि जीवन के प्रत्येक शुभ अवसर को यदि मानव सेवा से जोड़ा जाए तो उसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर अपने भाव व्यक्त करते हुए कमल किशोर कुमावत ने कहा कि आज राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद ने जिस प्रकार हमारे परिवार को सम्मान, स्नेह और आत्मीयता प्रदान की है, उसे हमारा परिवार जीवन भर याद रखेगा।

कमल किशोर कुमावत ने कहा कि जीवन में वास्तविक खुशी तभी मिलती है जब हमारे कारण किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए परिवार के उज्ज्वल भविष्य, सुख–समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

सेवा कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भास्कर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, गजराज श्रीश्रीमाल जैन, भगत राम गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर करें कार्य, तभी विकास के बेहतर परिणाम संभव : पोचाराम

बांसवाड़ा, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक गवर्नेंस की 99–दिन एक्टिविटी के अंतर्गत कामारेड्डी एवं निजामाबाद जिला केंद्रों में समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकारों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के साथ जिला स्तर के संयुक्त जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कामारेड्डी में आयोजित हुई समीक्षा बैठक कामारेड्डी जिला केंद्र स्थित सत्या कन्वेंशन हॉल में आयोजित बैठक में सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक थोटा लक्ष्मीकांत राव, कामारेड्डी मेयर श्रीमती उमा रानी तथा कामारेड्डी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान मौजूद रहे। निजामाबाद में अधिकारियों के साथ हुई चर्चा इसके बाद निजामाबाद जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में निजामाबाद अर्बन विधायक दानपाल सूर्यनारायण, निजामाबाद ग्रामीण विधायक भूपति रेड्डी, मेयर श्रीमती उमा रानी, उर्दू अकादमी के तहसीलदार ताहिर बिन हमदान, जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी, संयुक्त जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। विकास और कल्याण दोनों जरूरी इस अवसर पर विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि विकास और जनकल्याण दोनों आंखों के समान हैं तथा बेहतर परिणाम तभी प्राप्त हो सकते हैं जब जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से किसानों को लाभदायक फसलों की खेती के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

वृद्ध महिला ने नाले में कूदकर की आत्महत्या

बांसवाड़ा, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के कोल्लूर गांव निवासी 72 वर्षीय वृद्ध महिला ने कथित रूप से नाले में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान बिचकुंडा सयाव्वा के रूप में हुई है। वह अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखती थीं तथा गृहिणी थीं। उनके पति मैसय्या का पूर्व में निधन हो चुका था। बताया गया है कि वह पिछले कुछ वर्षों से अकेले जीवन व्यतीत कर रही थीं।

जानकारी के अनुसार बढ़ती उम्र के कारण वह पिछले कुछ दिनों से अपने दैनिक कार्य भी ठीक प्रकार से नहीं कर पा रही थीं। इसी कारण वह मानसिक तनाव और अवसाद से गुजर रही थीं।

बताया गया कि जीवन से परेशान होकर उन्होंने 22 मई 2026 को कोल्लूर गांव के बाहरी क्षेत्र स्थित कोल्लूर नाले में कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला का शव दोपहर लगभग 1:30 बजे बरामद किया गया।

घटना की सूचना मिलने पर बांसवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

संकष्टी चतुर्थी पर कौन करता है निर्जल व्रत और क्यों

गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है।

वैसे हर माह के कृष्ण पक्ष चतुर्थी मनाई जाती है यूं तो यह गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है। यह व्रत संकटों तथा दुखों को दूर करने वाला तथा प्राणी मात्र की सभी इच्छाएं व मनोकामनाएं पूरी करने वाला है। इस दिन स्त्रियां निर्जल व्रत करती हैं। इस दिन कच्चे तिल को कूटकर गणेशजी की मूर्त बनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है और कथा सुनने के बाद लोटे में भरा जल चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोला जाता है। रात्रि को चंद्रमा को अर्ध्य देने के बाद ही महिलाएं भोजन करती है। संकट चौथ के दिन तिल को भूनकर गुड के साथ कूटकर तिलकुटा यानि तिलकुट का पहाड बनाया जाता है। उसकी पूजा करके घर का कोई बच्चा उसकी गर्दन काटता है, फिर सभी को प्रसाद दिया जाता है।

तिलकुटे से ही गणेशजी का पूजन किया जाता है तथा इसका ही बायना निकालते हैं और तिलकुट को भोजन के साथ खाते भी हैं। जिस घर में लडके की शादी या लडका हुआ हो, उस वर्ष संकट चौथ को सवा किलो तिलों को सवा किलो शक्कर या गुड के साथ कूटकर इसके तेरह लड्डू बनाए जाते हैं। इन लड्डुओं को बहू बायने के रूप में सास को देती है। कहीं-कहीं इस दिन व्रत रहने के बाद सायंकाल चंद्रमा को दूध का अर्ध्य देकर पूजा की जाती है। गौरी-गणेश की स्थापना कर उनका पूजन तथा वर्षभर उन्हें घर में रखा जाता है।

तिल, ईख, गंजी, भांटा, अमरूद, गुड, घी से चंद्रमा गणेश का भोग लगाया जाता है। यह नैवेद्य रात भर डलिया से ढककर रख दिया जाता है, जिसे 'पहार' कहते हैं। पुत्रवती माताएं पुत्र तथा पति की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। उस ढके हुए 'पहार' को पुत्र ही खोलता है तथा उसे भाई-बंधुओं में बांटा जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया।

हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रहाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

इन मंत्रों का करें उच्चारण

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्म
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

ऐसे करें व्रत

इस दिन प्रात: ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए, तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

घर में अवश्य लगाएं तुलसी के पौधे क्योंकि

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है।

तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं।

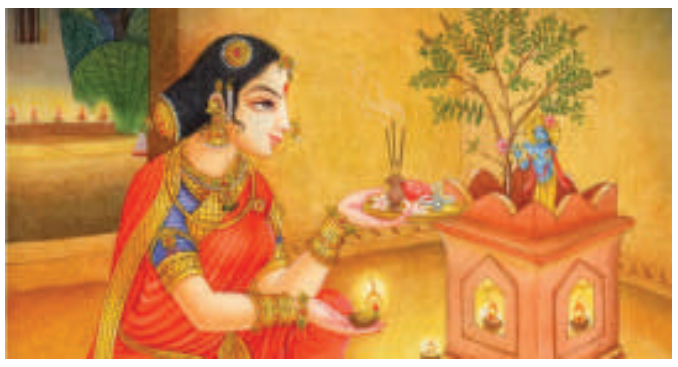

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान।

1. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है।

2. तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढता है।

3. पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी।

4. अगर संतान बहुत ज्यादा जिदी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें।

5. यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी।

6. यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढाएं।

7. नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपडे में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।

8. शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर तुलसी के पत्ते रोग दूर करने में सहायक हैं।

9. तुलसी एकमात्र पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है।

उपनिषद में मन: मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है

मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है। मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है।

कौषिति की उपनिषद

मन की सक्रियता का आधार आत्मा है और इसको जानने पर बल दिया जाना चाहिए। ज्ञान का आधार तप, संयम और नि:स्वार्थ कर्म है।

केन उपनिषद

मन दसों इंद्रियों का अधिपति है और जब मन इनसे संयुक्त होता है तभी उन विषयों का ज्ञान होता है। मन अनंत है। मन ही ज्योति है, मन ही सम्राट है और मन ही परम ब्रहम है।

वृहदारण्यक उपनिषद

मन आत्मा द्वारा निर्देशित अंतरइंद्रिय है, जो दूसरी इंद्रियों को निर्देशित करता है। जिसने अपना चरित्र शुद्ध नहीं किया, जिसकी इंद्रियां शांत नहींरह सकतीं, जिसका चित्त स्थिर नहीं, मन सदैव अशांत रहता है, वह केवल बाहय जगत के आधार पर आत्मा को प्राप्त नहींकर सकते।

यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन।

योगियों के मत से मुख्यत: तीन नाडियां होती हैं। ये तीनों मेरुदंड के भीतर रहती हैं। बाईं ओर है इडा, दाहिनी ओर पिंगला और बीच में सुषुम्ना। इडा और पिंगला ज्ञान-तंतुओं से बनी हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है।

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा संवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उदेश्य है। पर यह कोई बडी बात नहीं है। श्वासोच्छास द्वारा हवा फेफडों में खींचना और उसके द्वारा खून साफकरना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहींहै। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुत: प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम मूलभूत शक्ति को, जिसे हम प्राण कहते हैं, प्राप्त होते हैं। विश्व में सर्वत्र दिखाई देने वाली सब क्रियाएं इस प्राण के विभिन्न रूप हैं। यह प्राण सूक्ष्म महाशक्ति है। मस्तिष्क द्वारा यह प्राणशक्ति विचार के रूप में प्रकट होती है। सब वस्तुएं प्राणमय हैं और यह प्राण-शक्ति ही सूर्य, चंद्र, तारे आदि को चला रही है। विश्व में जो कुछ विद्यमान है, वह प्राण के स्पंदन का ही कार्य है। प्राण के सर्वोच्च स्पंदनों का कार्य है- विचार। इससे परे अगर कुछ है, तो वह हमारी कल्पना शक्ति के बाहर है। विभिन्न शक्तियों का रूप लेकर शरीर के प्रत्येक भाग को प्राण ही चलाता है। यह पुरानी कल्पना छोड दो कि ईश्वर नाम का कोई है, जो यह सब कार्य चला रहा है। काम करते समय हम थक जाते हैं, क्योंकि उसमें प्राणशक्ति व्यय हो जाती है।

कर्म का आधार है विचार

विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।

आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन... वेदांत में बताया गया है कि शारीरिक कर्म मात्र परिणाम है, उसका वास्तविक कारण कुछ और है। शारीरिक कर्म होते हुए दिखता तो है, परंतु वह क्यों किया गया, इसके कारण का पता नहीं चलता। अगर मात्र शरीर ही कर्म कर रहा होता तो देहांत के बाद शरीर कर्म क्यों करता। मृत्यु के उपरांत शरीर में कर्म करने की क्षमता कुछ देर तक रहती है। मृत व्यक्ति के अंगों का दान करने से वे जीवित व्यक्ति के लिए काम आ जाते हैं। यानी देह में मृत्यु के बाद भी कर्म करने की क्षमता होती है। कार्य करने की प्रक्रिया भले ही शरीर से होती है, लेकिन उसके अन्य कारण हैं। कर्म का कारण इच्छा है। इच्छा का कारण विचार है तथा विचार का कारण वासना है। वासना का अर्थ हमेशा नकारात्मक नहीं होता। वासना का एक अर्थ 'खुशबू' भी है। स्वभाव या प्रवृत्ति को भी वासना कहा गया है। वासनाएं पहले विचार रूप में प्रकट होती हैं। विचार पर केंद्रित होने पर विचार इच्छा में बदल जाता है। फिर इच्छा कर्म के रूप में प्रकट हो जाती है। आदि शंकराचार्य ने वासनाओं को 'अज्ञान' कहा है। इसीलिए योगी-महात्माओं ने विचारों की शुद्धता पर बल दिया। विचार अच्छे होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ होगा। मान लीजिए, अगर आटे में कंकड हैं, तो चाहे आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न पकाते हों, रोटी खराब ही बनेगी। आटा अच्छा हो, तो रोटी अच्छी भी बन सकती है और खराब भी, परंतु आटा ही खराब हो तो रोटी कैसे अच्छी बनेगी। कर्म का मूल कारण विचार है, इसलिए अगर विचार नकारात्मक होंगे तो कर्म श्रेष्ठ नहीं होगा। कर्म अगर भवन है, तो विचार उसकी नींव। कर्म की बुनियाद ही खराब होगी तो भवन अच्छा नहीं होगा। अगर विचारों में स्थिरता है तो कार्य को करने में हमें खुशी का अनुभव होगा। आज के जीवन में तो यह और भी जरूरी है कि किसी काम की शुरुआत अच्छे विचारों से हो।

भगीरथ ने बदायूं में किया था तप।

गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे। गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन मे बदायूं, [लोकेश प्रताप सिंह]। गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे।

गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन में कौंध जाएंगे। इसके बाद भी शायद संतोषजनक जवाब न मिल सके। इस असमंजस के जवाब को बदायूं आ जाएं। यहां गंगा के कछलाघाट से कुछ ही दूर पर बूढी गंगा के किनारे एक प्राचीन टीले पर अनूठी गुफा है। कपिल मुनि आश्रम के बगल स्थित इस गुफा को भगीरथ गुफा के नाम से जानते हैं। पहले यहां राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की भी मूर्तियां थी, जो कुछ साल पहले चोरी चली गई। करीब ही राजा भगीरथ का एक अति जीर्ण-शीर्ण मंदिर है, जहां अब सिर्फ चरण पादुका बची है। आध्यात्मिक दृष्टि से सूकरखेत (बाराह क्षेत्र) का वैसे भी बहुत महत्व है। बदायूं के कछला गंगा घाट से करीब पांच कोस की दूरी पर कासगंज की ओर बढकर एक बोर्ड दिखाई पडता है, जिस पर लिखा है भगीरथ गुफा। एक गांव है होडलपुर। थोडी दूर जंगल के बीच एक प्राचीन टीला दिखाई पडता है। बरगद का विशालकाय वृक्ष और अन्य पेडों के झुरमुटों बीच मठिया है। इसी टीले पर स्थित है कपिल मुनि आश्रम और भगीरथ गुफा। लाखोरी ईटों से बनी एक मठिया के द्वार पर हनुमानजी की विशालकाय मूर्ति लगी है। भीतर प्रवेश करने पर एक मूर्ति और दिखाई पडती है, इसे स्थानीय लोग कपिल मुनि की मूर्ति बताते हैं। मूर्ति के बगल से ही सुरंगनुमा रास्ता अंदर को जाता है, जिसमें से एक व्यक्ति ही एक बार में प्रवेश कर सकता है। पांच मीटर भीतर तक ही सुरंग की दीवारों पर लाखोरी ईटें दिखाई पडती हैं। इसके बाद शुरू हो जाती है कच्ची अंधेरी गुफा। सुरंगनुमा रास्ते से भीतर जाने के बाद एक बडी कोठरी मिलती है, जहां एक शिवलिंग भी कोने में है। कोठरी के बाद फिर सुरंग और फिर कोठरी। पर्याप्त रोशनी के साथ इस रास्ते से बढते हुए चौथी कोठरी तक पहुंचने के बाद तो साथ गए स्थानीय फरीदपुर के श्याम गिरि की भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां तक भी कोई नहीं आता, बिना ऑक्सीजन मास्क के आगे चलना ठीक नहीं है। श्याम गिरि ने बताया कि पहले गंगा इसी टीले के बगल से होकर बहती थीं। अभी भी गंगा की एक धारा समीप से होकर बहती है, जिसे बूढी गंगा कहते हैं। टीले के नीचे स्थित मंदिर से दुर्लभ मुखार बिंदु शिवलिंग भी चोरी चला गया था। इन घटनाओं की बाकायदा प्राथमिकी दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने पाली (अलीगढ) के एक तालाब से शिवलिंग तो बरामद कर लिया, लेकिन सगर पुत्रों की मूर्तियों का अभी भी कोई पता नहीं है। इसी टीले पर तीन समाधि भी हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास की समाधि कहते हैं। यहां राजा भगीरथ का मंदिर है, जो कभी बहुत भव्य था।

कछला बनेगा भागीरथ नगर

बदायूं के कछला घाट पर निर्मल गंगा अभियान चला तो गंगासेवी वयोवृद्ध संत त्रिदंडी स्वामी वासुदेवाचार्य ने भगीरथ गुफा के बारे में जानकारी दी। श्री भगीरथ सेवा न्यास ने अभियान से जुडे कई संगठनों को लेकर कछला घाट पर महाआरती की परंपरा शुरू की तो संतों-धर्माचार्यो ने कछला का नाम भगीरथ नगर करने की मांग उठाई। गौरीशंकर मंदिर के मुख्य आचार्य नारायण दास मुदगल कहते हैं कि इस समय भगीरथ गुफा से सबसे करीब कछला में ही सुविधाजनक गंगा घाट है। इसलिए भी कछला का नाम भगीरथ नगर होना चाहिए और संत-धर्माचार्य खुद यहां राजा भगीरथ का भव्य मंदिर बनवाएंगे। अखिल भारतीय संत सभा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी पगलानंद भी संतों-धर्माचार्यो के साथ बीते सप्ताह भगीरथ गुफा का दर्शन करके आए। नगर पंचायत कछला की चेयरमैन पुष्पा देवी ने बोर्ड की ओर से कछला का नाम भगीरथ नगर किए जाने का प्रस्ताव पारित करवाने का आश्वासन संतों को दिया है।

दुपट्टे के साथ पहनें डबल पल्लू की साड़ी...

फैशन में आए दिन कुछ न कुछ बदलाव आते रहते हैं, लेकिन साड़ी पहनने का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता बल्कि उसके साथ किए गए बदलाव से आप अपने लुक को और भी अधिक स्टाइलिश और ड्रेसिंग बना सकती हैं। आप अगर अपनी साड़ी को दुपट्टे के साथ डबल पल्लू के साथ पहनती हैं तो इससे आपका लुक काफी आकर्षक बनता है। इसे घर पर पहनने के लिए आपको अपनी साड़ी से मिलते झुलते रंग के दुपट्टे की जरूरत नहीं है। आप पेयरप करने का नया तरीका भी अपना सकती हैं। यह आपकी साड़ी को दिलचस्प और नया लुक देगा। आप अपने दुपट्टे को अलग-अलग तरीके से ड्रेप कर सकती हैं। इसे आप गर्दन पर स्कार्फ के तौर पर भी पहन सकती हैं या फिर आप गर्दन पर ड्रेप करके इस दुपट्टे को दोनों कंधों से पीछे की तरफ कर सकती हैं। दुपट्टे को आप कमर के एक तरफ से टक इन कर लहंगे की तरह भी पहन सकती हैं। इस साड़ी को कॉम्प्लीमेंट करता हुआ ही दुपट्टा चुनें। अगर आपकी साड़ी प्लेन हो और दुपट्टा हल्का सा हैवी तो आप भीड़ में सबसे अलग दिखती हैं। इस दुपट्टा साड़ी को एक बार पहन कर अपने लुक को सबसे अलग बनाएं।

गर्मी में प्लेन साड़ी...

अगर आप डेली रूटीन में साड़ी ही वियर करती हैं तो गर्मियों में हल्के-छोटे प्रिंट्स या प्लेन साड़ी का चुनाव करें। क्योंकि मौसम में काफी बदलाव आ रहा है। ऐसे में छोटे प्रिंटस और प्लेन साड़ी काफी स्टाइलिश लगती हैं जो आपको एलीगेंट-स्टनिंग लुक देती है। कुछ लोगों को कॉटन फैब्रिक साड़ियां खूब पसंद आती है। यह काफी आरामदायक होती हैं। गर्मियों के हिसाब से यह बेस्ट रहती हैं लेकिन अगर आप पार्टी फंक्शन या शादी पर जाती हैं तो खुद को थोड़ा हटके और इम्प्रैसिव लुक देने की जरूरत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप भड़कीली-चमकीली कपड़ों को चयन करें जो आपको पहनने में भी कंफर्टेबल न हो। प्लेन साड़ी को भी आप स्टाइलिश तरीके से वियर करके पार्टी लुक दे सकते हैं। बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो साड़ी के लिए डार्क कलर्स का चयन करते हैं लेकिन लाइट कलर भी बहुत अच्छे लगते हैं। हल्के रंग को लेकर ज्यादातर लोगों की सोच यह है कि ये रंग काफी बोरिंग हैं। गर्मियों के मौसम में हल्के फ्लोरल कलर ज्यादा खूबसूरत लगते हैं ऐसे कपड़ों में गर्मी का एहसास कम होता है।

आपको बीमार बना रहा है प्लास्टिक

पहले के जमाने में लोग पीतल या तांबे के बर्तनों में पानी पिया करते थे। उनका मानना था कि इससे बीमारियां उनसे कोसों दूर भाग जाती हैं। लेकिन आज उन तांबे और पीतल के बर्तनों की जगह प्लास्टिक ने ले ली है। खाने के बर्तनों से लेकर पीने के पानी की बोतल तक सभी जगह प्लास्टिक ही प्लास्टिक दिखता है। प्लास्टिक हमारे जीवन में इस कदर घर कर चुका है, जो दिनों-दिन हमें बीमार कर रहा है।

मोटापे को देता है बुलावा

इसका कारण है प्लास्टिक की बनी पानी की बोतलों में प्रयोग होने वाला एक रसायन जोकि हमारे दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली बोतल, धातु युक्त भोजन के डिब्बे और थर्मल रसीद पेपर जैसे उत्पादों में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला रसायन है। शोध में पाया गया कि प्लास्टिक की बोतल के पानी के प्रयोग से बच्चों के शरीर में फैट सैल्स काफी जल्दी बढ़ जाता हैं, जिससे लंबे समय तक वे मोटापे का शिकार रहते हैं।

इन बीमारियों को देता है जन्म

खास बात ये है कि यह अस्थमा, टैंशन, डिप्रैशन, डायबिटीज और लड़कियों के जल्दी किशोर होने जैसे कारणों के लिए भी इस रसायन को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनका उपयोग प्लास्टिक में होता है। इसलिए अगर आप अपने शरीर को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं, तो प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें। आप गर्म खाने और पीने की चीजों को रखने के लिए स्टील के बर्तन और ग्लास का उपयोग करें। आप जितनी जल्दी प्लास्टिक को खुद से दूर करेंगे, उतनी ही जल्दी आप बीमारियों को अलविदा कहेंगे।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा

अगर आप अभी भी प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीते हैं, तो सावधान हो जाइए। क्योंकि प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर अब एक नया खतरा सामने आया है। प्लास्टिक को लेकर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो गर्भवती महिलाएं बोतल के पानी का इस्तेमाल करती हैं या हमेशा बोतल के पानी का सेवन करती हैं, उनके बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

गुजरे हुए वक्त की बात करें तो बीता हुआ पल कभी दुबारा लौटकर नहीं आता पर फैशन का दौर समय के अनुसार बदलता रहता है। आज के समय में एकबार फिर ट्रेंड में है बेलबॉटम जो कभी पुरानी अभिनेत्रियों के बीच देखा जाता था। 70 के दशक के समय का यह फैशन अब बाजार में काफी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राय किए होंगे। लेकिन अब उनसे आपका दिल भर गया हो तो बैलबॉटम को ट्राई करें। बेलबॉटम अब आपको जींस के फैब्रिक में भी मिलेंगे, जिससे आपको रिफ्रेश फील होगा।

फिर लौट आए

बेलबॉटम...

70वीं सदी के गाने आपको याद ही होगें जिनमें हीरोइन लंबा सा बेलबॉटम पहनती थी। दोबारा से बेलबॉटम फैशन इन हैं। सेलिब्रिटी से लेकर कॉलेज गोइंग गर्ल्स और महिलाएं भी इसे पहनना पसंद कर रही हैं। फैशन डिजाइनर्स के अनुसार पुराना फैशन ही लेटेस्ट फैशन बनकर आता है, बस उसके पैटर्न , डिजाइन, कलर्स में ही अंतर हो जाता है। वैसे इस साल ये लेटेस्ट ट्रेंड के रूप में उभर रहा है। बैलबॉटम की खास बात यह है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। स्लिम बॉडी पर ये काफी अच्छा दिखता है, लेकिन हैवी वेट वाले लोगों पर भी ये काफी सूट होगा। इसलिए हर फिगर की महिलाएं इसे बिना संकोच ट्राय कर सकती हैं। बेलबॉटम को पहनने से शरीर का लुक काफी अच्छा दिखने लगता है। इसे अगर छोटे कद वाले लोग पहनते हैं तो उनकी लंबाई काफी अच्छी दिखती है।

फ्लो वाइट शर्ट के साथ

बेलबॉटम जींस का प्रयोग करते समय इसके साथ मैच करते हुए टॉप या शर्ट को पहनें या फिर इसके साथ और अच्छा लुक पाने के लिए आप फ्लो वाइट शर्ट को पहनकर आप एकदम परफेक्ट लुक पा सकती हैं। इसको पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ फ्राइडे लुक या फिर शनिवार की ऑफिस पार्टी का मजा ले सकती हैं।

फुटवेयर में चंकी हील्स

बेलबॉटम जींस टाइट न होकर नीचे की ओर फैली हुई होती है। इसलिए इसके साथ हाई हील्स काफी अच्छा लुक देती हैं। इसके अलावा बेलबॉटम जींस के साथ पहनने के लिये आप अलग-अलग स्टाइल की हील्स के फुटवेयर ले सकती हैं।

कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स

बेलबॉटम जींस की ऐसी डिजाइन जो काफी समय से चली आ रही है जिसे पहन कर लोग कंफर्टेबल फील तो करते ही हैं, साथ ही इसका लुक भी काफी अच्छा नजर आता है। इसके लिये आपको बाजार में एक से एक डिजाइन के कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स आसानी से मिल सकते हैं। जिन्हें पहनकर आप ऑफिस या किसी मीटिंग में आराम से जा सकती हैं।

बेल-बॉटम डंगरीज

जींस में मिलने वाले डिजाइनों में डंगरीज को पहनना बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। ये पहनने के बाद आपके लुक में और अच्छा निखार आता है। बेलबॉटम डंगरीज को पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ होने वाली पार्टी के दौरान अच्छा लुक पा सकती हैं।

क्रॉप टॉप से परफेक्ट लुक

शॉपिंग पर जाने का प्लान हो तो आप अपनी बेलबॉटम जींस को पहन सकती हैं। यदि आप अपनी बॉडी को परफेक्ट लुक देना चाहती हैं तो बेलबॉटम पैंट्स के साथ क्रॉप टॉप काफी अच्छा लुक प्रदान करेगा। इसके अलावा आप मल्टी कलर के बेलबॉटम का चयन कर इसमें प्लेन टॉप को मैच कर पहन सकती हैं।

स्पोर्टी लुक के लिए

व्हाइट स्नीकर्स और टेनिस शूज आजकल फैशन में हैं। अगर आप पिकनिक पर जाने के लिए या फिर स्पोर्ट लुक की तैयारी कर रही हैं तो इन्हें बेलबॉटम जींस पर एक बार ट्राई जरूर करें।

क्यों पहनें बेलबॉटम

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे। लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

सॉफ्ट और हलके: जींस का वजन होता है। लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े के होते हैं आपको उन्हें पहनने में अच्छा लगेगा। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हेवी नहीं होते हैं।

हाईट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाईट वाले की लंबाई भी अचछी लगती है क्योंकि टांगे लंबी जान पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप बेलबॉटम पहनें तो शायद कुछ मजा आएं।

फीगर अच्छा लगता है: बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर अच्छी तरह समझ में आता है और बदन सुंदर लगता है।

पतला दिखना लगना: बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

इस मौसम में कूल ड्रेसेज...

आज के समय की युवा पीढ़ी फंक्शन और पार्टी के दौरान लेटेस्ट कपड़ों को पहनना ज्यादा पसंद करती है, क्योंकि इससे लुक तो सुंदर दिखता ही है साथ ही वो लोगों के बीच अलग और खास भी दिखाई देते हैं। इसी के चलते हर कोई अपने आप को कुछ खास और अलग अंदाज में दिखाना ही पसंद करता है और अपने कपड़ों का चयन आज की मॉर्डन स्टाइल को देखते हुए करता है। इन दिनों बाजार में गर्मी के मौसम के अनुसार ड्रेस छाए हुए हैं। सुंदर व आकर्षक लुक में मिल रहे लॉन्ग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके साथ ही सिल्वर और गोल्डन कलर से बनी ड्रेसेज को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी ही लेटेस्ट ड्रेसेज के बारे में।

लॉन्ग टॉप: इस प्रकार के कपड़ों से शरीर की खूबसूरती तो बढ़ती ही है, दिखने में भी ये बहुत सुंदर लगते हैं। ये ज्यादातर लंबी युवतियों पर ज्यादा ही खूबसूरत लगते हैं, लेकिन इसे सभी युवतियां खास अंदाज के साथ पहन सकती हैं। ये हमेशा ही डीप लेंथ का होता है। आप इसे किसी स्पेशल प्रोग्राम में लेगिंग्स या फिर जींस के साथ मैच कर पहन सकती हैं। यदि आप मलमल कॉटन से बनाया गया लॉन्ग टॉप पहनती हैं तो ये रात में इसका लुक काफी अच्छा दिखता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स: इन दिनों मार्केट में मक्खी नेट शॉर्ट्स का चलन काफी बढ़ता दिख रहा है। इस प्रकार के कपड़े काफी कूल और डिफरेंट दिखाई देते हैं। नेट शॉर्ट्स को पहनना बहुत ही अरामदायक है।

शॉर्ट मिडी: गर्मियों के आते ही बाजार में शॉर्ट मिडी का फैशन काफी तेजी के साथ बढ़ता नजर आता है। इसे आप लेगिंग्स या फिर वन पीस ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं। अगर आप इसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ पहनती हैं तो ये आपको ज्यादा आरामदायक लगेगा।

वेल्वेट ड्रेस: आजकल हर पार्टी के लिए पहली पसंद लाइक्रा और वेलवेट ड्रेसेस बनती जा रही हैं। इन पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है। बाजार में इवनिंग गाउन से लेकर वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स और ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में भी उपलब्ध हैं।

डिफरेंट स्टाइल टॉप्स: अगर आप समर सीजन में लांग कुर्ते, टी-शर्ट्स, सैंडो, टूनिक्स पहन कर बोर हो गई तो इस बार डिफरैंट स्टाइल टॉप्स को अपनी वॉर्डरोब में शामिल करें। समर सीजन ऑफ शोल्डर टॉप में युवतियां काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। इसे आप कॉटन, शिफॉन, क्रेप, जार्जट फैब्रिक में खरीद सकते हैं। वैसे तो यह टॉप प्लेन में भी अच्छे लगते हैं और फ्लेयरी फ्रील स्टाइल में भी। कलर लाइट हो या डार्क, प्रिंटेड हो या प्लेन, ऑफ शोल्डर टॉप की अपनी ही एक अलग ग्रैस होती है। इन्हें आप शॉर्ट निकर, स्कर्ट, डेनिम किसी के साथ भी मैच करके पहन सकते हैं लेकिन इन दिनों ऑफ शोल्डर के साथ फ्लेयर्ड पेंट ट्रैंड में हैं। समर पार्टी में आपको स्टाइलिश के साथ-साथ कूल लुक भी चाहिए तो ऐसी ड्रैस बेस्ट ऑप्शन में आती हैं। अगर आप किसी बीच के आस-पास किसी वैकेशन ट्रिप पर जा रहे हैं तो तो ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ हाई वेस्ट फ्लेयर्ड पेंट आपको एक दम परफैक्ट बीच स्टाइल लुक देती हैं। इसके साथ आप बालों को लूज भी छोड़ सकते हैं और रफ-टफ लुक में हाई बन भी कर सकते हैं।

युवाओं पर भी छाया, हृदय रोगों का साया

धूम्रपान की धुन सवार

आज के कई युवाओं में धूम्रपान की धुन सवार होती दिखती है। उनके लिए यह अब एक फैशन स्टेटमेंट बन गया है। एक तल के रूप में धूम्रपान के बुरे प्रभाव न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी दर्ज किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करीब 1.1 बिलियन लोग धूम्रपान करते हैं, जिसमें एक-तिहाई 16 साल की उम्र के हैं। धूम्रपान के दुष्प्रभाव के बारे में डॉक्टर कहते हैं, पेशेवर लोग धूम्रपान इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनका तनाव दूर होता है, लेकिन वह उस तथ्य कि अनदेखी कर रहे हैं, जिससे सामने आया है कि यह उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सिगरेट में निकोटिन और टार जैसे हानिकारक तत्व होते हैं और कार्बन मोनोआक्साइड दिल के तबाह कर देने के लिए काफी है।

एक अध्ययन चौंकाने के लिए काफी है। अध्ययन दर्शाता है कि युवाओं में उच्च रक्तचाप, मोटापा और दिल संबंधी बीमारियों की दर तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से महानगरों में रहने वाले युवा इसके चपेट में तेजी से आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार महानगरों में रहने वाले युवाओं की गतिहीन जीवनशैली, वसायुक्त भोजन और शराब का बढ़ता सेवन इसके लिए उत्तरदायी है जिसकी वजह से युवाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं। शोध दर्शाते हैं कि ऐसे मामलों में महानगरीय युवाओं की हालत चिंताजनक है। तेज रफ्तार जिंदगी में आगे बढ़ने की होड़, खान-पान में फास्ट फूड की बहुतायत, धूम्रपान की लत और शराब सेवन की वजह से युवाओं में दिल संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

स्ट्रेस से बढ़ा 10 से 15 फीसदी खतरा

काम के दौरान पैदा होने वाला तनाव और थकन तथा बदलती जीवनशैली कोरोनरी हार्ट डिजीज (सीएचडी) का एक बड़ा कारण है। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ किसी भी कार्य की डेडलाइन्स और दबाव के साथ पैदा होने वाली समस्याएं ही युवाओं को इसके शुरुआती स्तर की ओर धकेल रही हैं। नौकरी के साथ ही इन चीजों की शुरुआत तेजी से होने लगती है, जो चिंता का गहन विषय है। छोटे-छोटे कार्यों में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। वर्क कल्चर तेजी से बदला है। इसकी वजह से हृदय रोग संबंधी शिकायतों का खतरा 10-15 फीसदी बढ़ गया है।

आज बच्चों को बचपन से ही गतिहीन जीवनशैली का सामना करना पड़ रहा है। व्यायाम के लिए समय नहीं है, जिससे आनुवांशिक विकार बढ़ रहे हैं। साथ में तेजी से बदलता खानपान, वसा की कमी आदि कारणों के चलते ही युवाओं में दिल की बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। हमारा आहार, श्रमहीन जीवन व स्ट्रेस जैसी चीजें हार्ट अटैक के रूप में सामने आती हैं। लम्बे समय तक तनाव में रहने या तनावपूर्ण कार्यस्थितियों में काम करने के कारण एड्रिनल और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ जाता है और इससे ब्लडप्रेशर बढ़ने, हृदय की रक्त नलियों में रक्त के थक्के बनने और दिल के दौरे पड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं।

दिल की सलामती के लिए

- कम-से-कम रोज 45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करें यानी तेज चलें। डाइट पर कंट्रोल रखें।
- खाने में ऐसा तेल इस्तेमाल करें जो जमे नहीं। इसके नसों में जमने से खून के प्रवाह में रुकावट आती है। ऑलिव ऑयल व सफोला में कम कोलेस्ट्रॉल होता है।
- सिगरेट पीने वालों में हार्ट अटैक के चांस ज्यादा होते हैं। नियमित योग करना और ध्यान लगाना चाहिए। इससे नसें रिलैक्स हो जाती हैं और हृदय को कम नुकसान पहुंचता है। जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो उन्हें अपना पूरा चेकअप कराते रहना चाहिए।
- हृदय रोगियों के लिए लाफिंग थेरेपी भी कारगर साबित होती है क्योंकि हंसने से अन्य अंगों के साथ हृदय की भी कसरत होती है।

ध्यान दें: डायबिटीज के मरीजों में एंजाइना का कोई लक्षण प्रकट नहीं होता। शरीर की ओर से कोई वार्निंग नहीं मिलती। उनकी नसें डायबिटीज के कारण सुन्न हो जाती हैं। ऐसे लोगों को हमेशा अपना चेकअप कराना चाहिए।

किसको खतरा अधिक

ऐसे युवाओं में जिनके माता-पिता को दिल की समस्या रही हो उनमें यह समस्या छोटी आयु में ही उभरने की संभावना रह सकती है। यानी यदि 30 साल की उम्र के बाद मेडिकल तौर पर इसकी आशंका जताई गई है तो ऐसे युवाओं को 20 साल की उम्र में भी यह समस्या हो सकती है।

ब्लड प्रेशर

130/85 से ज्यादा होना ठीक नहीं। खून में गाढ़ापन आने के कारण हृदय की धमनियों में थक्के जमने से हार्ट की समस्या बढ़ती है। बिगड़ी हुई जीवनशैली के कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं और तनाव से तुरंत निजात पाने के लिए स्मोकिंग और एल्कोहल का सहारा लेते हैं। धीरे-धीरे ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने के बाद हृदय संबंधी बीमारियां जन्म ले लेती हैं और पता नहीं चलता।

लाइफ स्टाइल से बढ़ा, हाई रिस्क फैक्टर

- दिल संबंधी बीमारियों के मामले में भारत नंबर एक पर है, जिसकी 10 फीसदी आबादी दिल के रोगों से ग्रस्त है जबकि यूरोप और अमेरिका दूसरे स्थान (7 फीसदी ग्रस्त) पर हैं और चीन में यह दर 4 फीसदी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2015 तक भारत में हृदय संबंधी बीमारियां सबसे बड़ी बीमारी के रूप में सामने आने वाली है।
- भारत में 5 करोड़ लोग दिल संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं और इस वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा दोगुना हो सकता है।
- युवा कामकाजी लोगों में यह शिकायत सबसे अधिक पाई जा रही है यानी 10 में से एक में और जिनकी औसत आयु है 30 वर्ष।
- देश में युवाओं में हार्ट अटैक की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो वैश्विक दर के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा है। ऐसे मामलों की शुरुआत अब 20 साल के युवाओं में भी होने के आसार हैं।
- भारत में होने वाली 10 मौतों में से 1 हार्ट अटैक की वजह से हो रही है।
- पिछले एक दशक में खासतौर से युवा कामकाजी लोगों में सीएडी की दर 17.5 से 35 फीसदी की ओर तेजी से बढ़ी है यानी यह दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है।
- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक 13 फीसदी महिलाओं और 9 फीसदी पुरुष मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। कमर की चौड़ाई के साथ मेटाबॉलिक रोग बढ़ने लगता है इसलिए ध्यान रखें कि शरीर में पाए जाने वाले सेल्स हमेशा ऊर्जा प्रदान करने वाले नहीं होते।

क्या कहता है सर्वे

दस-बारह वर्ष पूर्व तक लोग यह सोचते थे कि हिन्दुस्तान में हृदय रोग यानी हार्ट की नलियों में रुकावट की समस्या पूरी दुनिया की तुलना में कम है। पर तमाम अध्ययनों और शोधों में यह पता चला है कि पश्चिमी मुल्कों की तुलना में भारत में 2-3 प्रतिशत ज्यादा लोग हृदय रोगों से पीड़ित हैं। निस्संदेह यह बहुत चिंता का विषय है। वास्तव में भारतवासियों में कोरोनरी हृदय संबंधी रोग की दर खासतौर से युवाओं में, पश्चिमी देशों के मुकाबले तकरीबन तीन गुना ज्यादा पाई जाने लगी है।

बीमारी बढ़ती है स्टेप बाई स्टेप

शहरी लोगों में शारीरिक श्रम की आदत कम पड़ती दिख रही है। अधिकांश लोग गाड़ी पर चलते हैं, बिल्डिंगों में लिफ्ट लगी हैं। पैदल चलना-फिरना तो लगभग है ही नहीं। अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि उन्हें हृदय रोग है। वे इसे गैस बनने या किसी अन्य समस्या के रूप में ही देखते हैं, लेकिन यह जानने के लिए कि कहीं कोई समस्या तो नहीं आ रही, इसे तीन रूपों में समझा जा सकता है।

स्टेप-1: इसमें हृदय रोग की शुरुआत तो हो गई है, पर रोगी को पता नहीं चला। उसे कोई नुकसान भी नहीं हुआ।

स्टेप-2: कोई काम करते वक्त झुंझलाहट हो, गुस्सा आए या भाग-दौड़ करने पर छाती पर दबाव व जलन महसूस हो, तो यह एंजाइना हो सकता है। जब कभी ऐसे लक्षण महसूस हों तो सचेत हो जाएं और फौरन चेकअप कराएं।

स्टेप-3: यह सबसे खतरनाक है और हार्ट अटैक के रूप में सामने आता है। इसमें मरीज को पता ही नहीं होता कि एंजाइना का कारण था या पता होने पर भी उसने अनदेखा कर दिया था। ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है जिसमें आदमी की जान भी जा सकती है। इसमें 10 प्रतिशत मामले अस्पताल भी ही नहीं पहुंच पाते। इसलिए बहुत सावधान रहना चाहिए। यदि छाती में दर्द हो रहा है तो अस्पताल जाने में देर न करें।

संपादकीय

प्रधानमंत्री 'गद्दार' नहीं

राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण और संवैधानिक पद..! प्रोटोकॉल और राजनीति के लिहाज से नेता प्रतिपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। प्रधानमंत्री के बाद नेता विपक्ष के संसदीय दल के पक्ष में ही सर्वाधिक जनादेश होता है, लिहाजा इस सम्मान, प्रतिष्ठा की गरिमा रखी जानी चाहिए, लेकिन देश के तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक तौर पर 'गद्दार' कहकर राहुल गांधी ने 'लाल लकीर' पार कर दी है। जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हों और नेता प्रतिपक्ष उन्हें 'गद्दार' करार दें, तो भारत भी अपमानित हुआ है। प्रधानमंत्री कभी भी 'गद्दार' नहीं हो सकते, क्योंकि उन्हें जनादेश हासिल है, बेशक आप उनका नीतिपरक विरोध कर सकते हैं। राहुल के 'गद्दार' अपशब्द से देश की 147 करोड़ से अधिक आबादी भी अपमानित हुई है। यकीनन यह निंदनीय, शर्मनाक, असंसदीय, असंवैधानिक और अमर्यादित अपशब्द है। हम भी मानते हैं और बराबर विश्लेषण कर रहे हैं कि देश में आर्थिक, तेल, खाद के संकट हैं, किल्लत है, लेकिन कोई 'आर्थिक तूफान' आ रहा है, इससे हम सहमत नहीं हैं। यदि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के भीतर गुस्सा, आक्रोश है, किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, छोटे व्यापारी वाकई रो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस को 'गद्दार' की गाली देने के बजाय उन्हें जन-आंदोलन खड़ा करने का आह्वान करना चाहिए था। विपक्षी नेता राहुल गांधी 'वैकल्पिक आर्थिक हालात' का प्रारूप देश के सामने पेश कर सकते थे, लेकिन वह 'तू-तड़ाक' की भाषा पर उतर आए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक भाषा में कहा- 'एक दिन प्रधानमंत्री टीवी पर आएगा और फिर रोयेगा। जिस तरह कोविड में रोया था, उसी तरह फिर रोयेगा और देश से माफी मांगेगा।' यह एक राष्ट्रीय, लोकतांत्रिक नेता की भाषा नहीं है, बल्कि राहुल की सामंतवादी सोच ऐसा बुलवा रही है। इसी सोच के मद्देनजर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'चौकीदार चोर है' जुमला 2019 में उछाला था। उस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस किस रसातल तक लुढ़क आई थी, राहुल गांधी को आज भी याद होगा। देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी को डंडे मारेंगे, यह भी सार्वजनिक बयान दिया था। राहुल ने प्रधानमंत्री को 'पनौती' और सैनिकों के 'खून की दलाली' करने वाला भी कहा था। राहुल की यह जुबान लगातार चुनाव हारने की कुंठा और हताशा हो सकती है, लेकिन नियंत्रण खुद राहुल गांधी को करना है। आज वह नेता प्रतिपक्ष हैं। कल ऐसे राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं कि समूचा विपक्ष उन्हें 'प्रधानमंत्री का उम्मीदवार' घोषित कर दे, लिहाजा उन्हें 'आदतन अपशब्दों' के आचरण से बचना होगा और अपने व्यक्तित्व, बयानों, आह्वानों को गंभीर, तार्किक, देशहित में करना होगा। देश तभी उन्हें 'वैकल्पिक प्रधानमंत्री' के रूप में देखना शुरू कर सकता है। सिर्फ मोदी-विरोध की नफरती सियासत से वह कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते, यह हमारा मूल्यांकन और विश्लेषण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने भी प्रधानमंत्री के लिए 'जहरीला सांप' और '100 सिर वाला रावण' अपशब्दों के इस्तेमाल किए थे। ऐसा कांग्रेस और उसके नेताओं के लिए 'आदतन' नहीं है, दरअसल वे प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते हैं और 12 साल की सत्ता के बावजूद 'आपका प्रधानमंत्री' करार देते हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यदि संघ के लोग आपके पास आएं और मोदी-शाह की बात करें, तो उनसे कहिए कि आपके प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन 'गद्दार' हैं। उन्होंने हिंदुस्तान बेचा है। हमारे संविधान, अंबेडकर जी, गांधी जी पर हमले किए हैं। देश और संविधान किसे बेचा है? देश आज भी मौजूद है और उसकी लोकसभा में राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। कांग्रेस के भीतर एक जमात ऐसी भी है, जिसके कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'नीच', 'दानव', 'यमदूत', 'भस्मासुर', 'बिच्छू', 'सांप', 'अनपढ़', 'बंदर', 'राक्षस' सरीखे अपशब्दों का प्रयोग किया है। इनसे उन्हें और पार्टी को तो कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ। दरअसल राहुल गांधी 22 लंबे सालों से सांसद होने के बावजूद यह सामान्य-सी बात समझ नहीं पाए हैं कि राजनीति की अपनी भाषा होती है, आलोचना-निंदा के ये मायने नहीं होते कि गालियां दी जाएं। उन्होंने अपने लिए एक आवरण बना रखा है, एक मिथ गढ़ रखा है, उसी के भीतर वह आचरण करते रहे हैं। किसी को गद्दार कहने से देश का भला होने वाला नहीं है।

प्रधानमंत्री के बाद नेता विपक्ष के संसदीय दल के पक्ष में ही सर्वाधिक जनादेश होता है, लिहाजा इस सम्मान, प्रतिष्ठा की गरिमा रखी जानी चाहिए, लेकिन देश के तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक तौर पर 'गद्दार' कहकर राहुल गांधी ने 'लाल लकीर' पार कर दी है। जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हों और नेता प्रतिपक्ष उन्हें 'गद्दार' करार दें, तो भारत भी अपमानित हुआ है। प्रधानमंत्री कभी भी 'गद्दार' नहीं हो सकते, क्योंकि उन्हें जनादेश हासिल है, बेशक आप उनका नीतिपरक विरोध कर सकते हैं। राहुल के 'गद्दार' अपशब्द से देश की 147 करोड़ से अधिक आबादी भी अपमानित हुई है। यकीनन यह निंदनीय, शर्मनाक, असंसदीय, असंवैधानिक और अमर्यादित अपशब्द है। हम भी मानते हैं और बराबर विश्लेषण कर रहे हैं कि देश में आर्थिक, तेल, खाद के संकट हैं, किल्लत है, लेकिन कोई 'आर्थिक तूफान' आ रहा है, इससे हम सहमत नहीं हैं। यदि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के भीतर गुस्सा, आक्रोश है, किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, छोटे व्यापारी वाकई रो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस को 'गद्दार' की गाली देने के बजाय उन्हें जन-आंदोलन खड़ा करने का आह्वान करना चाहिए था।

कुछ अलग

अहं का जन्म

लोग सोचते हैं कि कुछ करने के लिए आत्मविश्वास की जरूरत होती है, लेकिन आत्मविश्वास से भरे हुए आप मूर्खतापूर्ण काम भी कर सकते हैं। कुछ करने के लिए आपको आत्मविश्वास की जरूरत नहीं है, आपको बस जरूरत है समझदारी की। उचित तो यह होगा कि आप पहले उस काम को तौलें। अगर आप कर सकते हैं, तो आप उसे करेंगे, अगर नहीं कर सकते, तो नहीं करेंगे। आपको बस अपनी योग्यता के अनुसार काम करना चाहिए, न कि आत्मविश्वास की वजह से या उसकी कमी की वजह से। सिर्फ एक अहं ही है, जिसे आत्मविश्वास या उसकी कमी महसूस होती है। आखिर यह अहं है क्या? आप में अहं इसलिए नहीं आया, क्योंकि आपने कोई काम बहुत अच्छे ढंग से किया या आप अमीर बन गए, या आप सुंदर हो गए या आपने अपने शरीर को सुगठित बना लिया। जब आप पहली बार मां के पेट में लात चलाने लगे थे, तभी अहं का जन्म हो गया था। अपने स्थूल शरीर से स्वयं की पहचान बनाने की सबसे पहली गलती का मतलब है - अहं का जन्म। अहं एक रक्षात्मक प्रतिक्रिया है। इस नन्हे से शरीर से आपकी पहचान बना दी गई। इस छोटे से प्राणी को अपना वजूद बनाए रखना है, इस विशाल जगत में, जिसकी आपको इतनी भी समझ नहीं है कि यह कहां आरंभ होता है और कहां समाप्त? स्वयं को बस सुरक्षित बनाए रखने के लिए आपको स्वयं को एक बड़े इंसान की तरह दिखाना पड़ता है। इसलिए अहं पैदा हुआ है। यह एक झूठी हकीकत है। अगर वह 'कुछ और' कल सुबह शरीर से निकल जाए, तो इस शरीर को कोई छूना भी नहीं चाहेगा, जो एक लाश बन गया होगा। आज जब वह शरीर में है, हमें उसका ध्यान रखना चाहिए।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। "सत्यं वद, धर्मं चर", "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है। यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल "हिंदू विरोध" बनाम "राजनीतिक विरोध" के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है। भारत की राजनीति को "धर्म बनाम धर्म" की लड़ाई से ऊपर उठकर "जन बनाम जनसमस्या" के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक धुरवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व। राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे।

देश दुनिया से

राहुल गांधी का नया रास्ता

राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में एक सभा में सार्वजनिक रूप से नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर एक गंभीर आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि ये तीनों राष्ट्र के गद्दार हैं। इसका सबूत के रूप में उन्होंने कहा कि ये बाबा साहिब अंबेडकर के बनाए संविधान को नष्ट कर रहे हैं। इस पर चर्चा करने से पहले यह विचार करना लाजिमी है कि आखिर राहुल गांधी के इस आरोप पर चर्चा करना जरूरी क्यों है? क्या कोई कुछ भी बोलेगा तो जरूरी है कि उसका उत्तर दिया जाए? राहुल गांधी क्या 'कोई भी' की कैटेगरी में आते हैं? इसका उत्तर सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि कोई अनर्गल प्रलाप करता है तो कई बार डाक्टर भी कह देते हैं कि इसकी बात को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। इसकी स्थिति ठीक नहीं है। लेकिन दिक्कत यह है कि जो अनर्गल प्रलाप कर रहा है, वह भारत की लोक सभा में विपक्षी नेता भी है। यानी वह भारत के विपक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरे वह उस राज परिवार का चिराग है जिसने लंबे अर्से तक भारत पर राज किया है। इसलिए उसकी बात का जवाब देना जरूरी हो जाता है। सबसे पहले संघ पर राष्ट्रद्रोही होने की बात, इसमें नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी शुमार हैं क्योंकि वे भी संघ के स्वयंसेवक ही हैं। भारत एक प्राचीन राष्ट्र है, उतना सभी मानते हैं। लेकिन इस अवधारणा से हृदय से जुडऩा पड़ता है। तभी राष्ट्र व्यक्ति के हृदय के भीतर से स्पंदित होता है। तभी भारत केवल भारत न रह कर भारत माता बनता है। पंडित जवाहर लाल नेहरू राष्ट्र के इस भाव को स्वीकारते थे। यह उनकी लिखी किताबों से जाहिर है। वे इस प्रकार की बातें अपनी बेटी इंदिरा गांधी को भी लिखा करते थे। लेकिन एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल के मुसलमान भारत को एक राष्ट्र नहीं मानते थे। उनके लिए भारत, भारत माता नहीं थी, बल्कि भारत ऐसा देश था जिसे उनके पूर्वजों ने जीता था। लेकिन वे यह भी बखूबी जानते थे कि मुगलों से सत्ता अंग्रेजों ने छीन ली थी और अब उन्हें वापस मिलने वाली नहीं थी। लेकिन एटीएम के सात सौ साल के राज में भारत के बहुत से लोग भी सत्ता के जोर से इस्लाम में शामिल कर लिए गए थे। इसलिए उनकी नई रणनीति थी कि मुसलमानों का एक नया संगठन बनाया जाए और एटीएम और देसी मुसलमानों के लिए भारत के एक हिस्से को तोड़ कर एक नया देश बनाया जाए जिस पर एटीएम मूल के मुसलमानों का राज हो। एटीएम ने इस काम के लिए 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना कर ली। मुस्लिम लीग भारत माता को खंडित करने के लिए डट गई। लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया। क्योंकि कांग्रेस भारत को भारत माता मानती थी, इसलिए उसको खंडित करने का तो सोच ही नहीं सकती थी। लेकिन फिर आया 1947 का समय। ब्रिटेन इस बात पर आमादा था कि वे भारत को तभी छोड़ेंगे जब कांग्रेस भी भारत को खंडित करने के लिए सहमत हो जाएगी। यदि कांग्रेस सहमत नहीं होती तो शायद स्वतंत्रता संग्राम और लंबा चलता। कांग्रेस इतिहास के उस मोड़ पर पहुंच गई थी जहां या तो उसे राष्ट्र से द्रोह कर भारत माता के दो टुकड़े करने की सहमति देनी थी या फिर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जारी रखना था ताकि राष्ट्र खंडित न हो। कांग्रेस ने पहला रास्ता चुना। राष्ट्र द्रोह का। उसने बाकायदा प्रस्ताव पारित किया कि वह भारत को दो टुकड़ों में विभाजित करने के लिए सहमत है। बाबा साहिब अंबेडकर ने कांग्रेस की इस फितरत का बहुत पहले अनुमान लगा लिया था। यही कारण था कि उन्होंने बहुत पहले ही कह दिया था कि मुझे शक है कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं लड़ रही बल्कि वह सत्ता के लिए लड़ रही है। यही कारण है कि जब राष्ट्र और सत्ता में से एक चुनने का वक्त आया तो कांग्रेस ने राष्ट्र से द्रोह किया और सत्ता को चुना। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भारत विभाजन का अंत तक विरोध किया। अंबेडकर ने भी शायद अंदाजा लगा लिया था कि कुछ साल बाद कम से कम भारत के देसी मुसलमान समझ जाएंगे कि एटीएम ने ब्रिटेन से मिल कर उन्हें भारत विभाजन के अपने जाल में फंसा लिया था और उसके बाद वे भारत के साथ पुनः विलय की बात करेंगे। यही कारण है कि उन्होंने लिखा था कि हमें कम से कम दस साल तक ऐसी व्यवस्था कर लेनी चाहिए जिससे यदि पाकिस्तान चाहे तो पुनः वापस आ सके। लेकिन कांग्रेस को यह स्वीकार नहीं था। अलबत्ता इतना जरूर रहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबा साहिब अंबेडकर दोनों को ही अंग्रेजों के एजेंट कहने लगी। अंबेडकर के साथ कांग्रेस और खासकर पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जो दुव्र्यवहार किया उसे राजनीति विज्ञान और इतिहास के सभी विद्यार्थी जानते हैं। अंबेडकर को लोकसभा चुनाव में पराजित करने के लिए जो हथकंडे अपनाए, उससे अंबेडकर को जितनी पीड़ा हुई थी, इसका जिक्र अनेक जगह मिलता है। नेहरू के दुव्र्यवहार के कारण तो अंबेडकर को विधि मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा। यहां तक कि नेहरू ने अंबेडकर को अपने इस्तीफे पर लोक सभा में वक्तव्य तक देने की अनुमति नहीं दी। तब बाबा साहिब को इस्तीफे के कारणों पर बाहर सार्वजनिक रूप से अपना पत्र छपवाना पड़ा। उस पत्र से ही साफ हो जाता है कि अंबेडकर की जिस नाव पर सवार होकर राहुल गांधी एक बार फिर सत्ता के जहाज तक पहुंचना चाहते हैं, किसी वक्त उस नाव को तोडऩे में जवाहर लाल नेहरू कितने मशगूल रहते थे। अब राष्ट्र द्रोह की अगली कड़ी। 1991 में भारत की लोक सभा के लिए चुनाव होने वाले थे। लंका के प्रभाकरण की पार्टी को लगता था कि राजीव गांधी की पार्टी जीत सकती है।

आप का नज़रिया

मौसम का आक्रमण

तपते सूरज ने हिमाचल के परिवेश को लांघते हुए, गर्मी का जबरदस्त एहसास ही नहीं कराया, बल्कि पहाड़ों की रानी शिमला के गाल भी लाल कर दिए हैं। ऊना के तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे तमाम बाधाएं और जीवन की सख्त परीक्षाएं शुरू हुई हैं। सिर्फ एक डिग्री पीछे बद्दी भी चुनौतियों का पिंड बना है। गर्मी की लहरें पांवटा साहिब, सोलन, बिलासपुर होते हुए समूचे प्रदेश को आहत किए हुए हैं, तो इसका असर जीवन और आर्थिकी पर भी पड़ रहा है। किसान, बागबान, छात्र समुदाय और उपभोक्ता परेशान हैं, तो इस परिस्थिति के लिए भी हम सभी जिम्मेदार हैं। भीषण गर्मी के आंचल में हिमाचल की शून्यताएं, लापरवाही और संवेदनहीनता दर्ज हो रही है। यहां मैदान से पहाड़ तक अगर तापमान हैरत में डाल रहा है, तो पर्वतीय परिवेश को कब्रगाह बनाने में हम ही दोषी हैं। कुछ नीतियों और विकास के प्रति हमारी भौतिक दृष्टि ने प्रकृति से असंतुलन पैदा कर दिए हैं। नतीजतन हम 68 प्रतिशत वन भूमि घोषित करके भी हवाओं का रुख गर्म कर रहे हैं या वनों की छांव से महरूम रह गए। विडंबना यह है कि चीड़ के जंगल उगाता रहा वन विभाग यह तय नहीं कर पाया कि इसके पेड़ सिर्फ गर्मियों के मौसम में पतझड़ करके चारों तरफ आग ही सुलगाएंगे। पहाड़ से चीड़ का रिश्ता केवल आंकड़ों में अच्छा साबित होता रहा। वन विभाग ने सत्तर के दशक से जिस वनीकरण को अपनाया, वह आज सूखे ठूंठ की तरह गर्मियों में माचिस की तीली बन रहा है। अभी खबरें इतनी भयंकर नहीं हुईं, लेकिन पैंतीस डिग्री के ऊपर जब सूरज जंगलों को तपाएगा, तो परिवेश माचिस की डिब्बी बन जाएगा। वनों से हमारे मौसम के रिश्ते को सुदृढ़ करने के लिए चौड़ी पत्ती के पौधों को माकूल परवरिश चाहिए। हमारे पड़ोसी राज्य उत्तराखंड ने अदालती लड़ाई लड़ते हुए चीड़ के जंगलों को अलविदा कहने का रास्ता चुना और कुछ सफलता हासिल भी की। इसी तरह वन संरक्षण के मायने जंगल में चीड़ के पौधे गिनना नहीं, बल्कि परिवेश संरक्षण का नारा बुलंद करना होगा। हिमालयी हिमनद, ग्लेशियर, झीलों तथा नदी-नालों के लिए अगर परिवेश संरक्षण की अवधारणा व नीति-नियम सुदृढ़ नहीं होंगे, तो मौसम के आक्रमण हमारे जीने की छतरी को बर्बाद कर देंगे। हिमाचल में बढ़ती गर्मी का प्रकोप शिक्षा, कृषि-बागबानी, सिंचाई-जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति तक पहुंच गया है। ऐसे में सर्वप्रथम स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को सुरक्षित करने के लिए समायावधि के अलावा अन्य बचाव व राहत के उपायों पर जोर देना चाहिए। इसी तरह कृषि और बागबानी की जरूरत में जल संग्रहण और वितरण पर नए उपायों पर गौर करना होगा। विडंबना यह है कि हिमाचल का सारा जल हमने बड़ी बांध परियोजनाओं को देकर यह नहीं सोचा कि हमें सिंचाई व जलापूर्ति के लिए स्थायी बांध बनाने होंगे। हमारी गर्मी, हमारी बरसात का अलार्म है और भारी बरसात-अति सर्दी की सूचना बन जाते हैं। अतः मौसमों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए हमारे कृषि-बागबानी विश्वविद्यालयों को नवाचार, तकनीक व उपयुक्त बीजों के लिए अनुसंधान के पैमाने बदलने होंगे। शिक्षा विभाग को भी गर्मी-बरसात और सर्दी के बदलते पैमानों के अनुरूप छुट्टियों के कैलेंडर दुरुस्त करने की जरूरत है।

ऊना के तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे तमाम बाधाएं और जीवन की सख्त परीक्षाएं शुरू हुई हैं। सिर्फ एक डिग्री पीछे बद्दी भी चुनौतियों का पिंड बना है। गर्मी की लहरें पांवटा साहिब, सोलन, बिलासपुर होते हुए समूचे प्रदेश को आहत किए हुए हैं, तो इसका असर जीवन और आर्थिकी पर भी पड़ रहा है। किसान, बागबान, छात्र समुदाय और उपभोक्ता परेशान हैं, तो इस परिस्थिति के लिए भी हम सभी जिम्मेदार हैं। भीषण गर्मी के आंचल में हिमाचल की शून्यताएं, लापरवाही और संवेदनहीनता दर्ज हो रही है। यहां मैदान से पहाड़ तक अगर तापमान हैरत में डाल रहा है, तो पर्वतीय परिवेश को कब्रगाह बनाने में हम ही दोषी हैं। कुछ नीतियों और विकास के प्रति हमारी भौतिक दृष्टि ने प्रकृति से असंतुलन पैदा कर दिए हैं। नतीजतन हम 68 प्रतिशत वन भूमि घोषित करके भी हवाओं का रुख गर्म कर रहे हैं या वनों की छांव से महरूम रह गए। विडंबना यह है कि चीड़ के जंगल उगाता रहा वन विभाग यह तय नहीं कर पाया कि इसके पेड़ सिर्फ गर्मियों के मौसम में पतझड़ करके चारों तरफ आग ही सुलगाएंगे। पहाड़ से चीड़ का रिश्ता केवल आंकड़ों में अच्छा साबित होता रहा। वन विभाग ने सत्तर के दशक से जिस वनीकरण को अपनाया, वह आज सूखे ठूंठ की तरह गर्मियों में माचिस की तीली बन रहा है। अभी खबरें इतनी भयंकर नहीं हुईं, लेकिन पैंतीस डिग्री के ऊपर जब सूरज जंगलों को तपाएगा, तो परिवेश माचिस की डिब्बी बन जाएगा।

दृष्टि कोण

डिजिटल युग में लोकतांत्रिक असहमति का नया स्वर

भारतीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं। कभी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और धरने राजनीतिक प्रतिरोध के प्रमुख माध्यम थे, तो कभी साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने सत्ता से सवाल पूछने का कार्य किया। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए यह परिदृश्य एक बार फिर बदलता दिखाई दे रहा है। आज सोशल मीडिया, मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों ने राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए मंच तैयार कर दिए हैं। युवा पीढ़ी अब केवल सभाओं, रैलियों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं है; वह अपने विचारों को इंटरनेट की दुनिया में नए प्रतीकों और नई भाषा के माध्यम से सामने ला रही है। मई 2026 में अचानक चर्चा में आई "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी बदलते राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। पहली दृष्टि में यह एक हास्यास्पद नाम प्रतीत होता है। किसी राजनीतिक दल या आंदोलन का नाम "कॉकरोच" रखना सामान्य नहीं माना जा सकता। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। कई बार जो शब्द अपमान के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं, वही प्रतिरोध और पहचान के प्रतीक बन जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब समाज के किसी वर्ग ने अपने ऊपर लगाए गए नकारात्मक विशेषणों को ही अपनी शक्ति में बदल दिया। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया है जिसे युवा अपने प्रति उपेक्षापूर्ण मानते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एक न्यायिक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद से हुई। सोशल मीडिया पर यह धारणा तेजी से फैली कि बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की गई है। यद्यपि बाद में इस टिप्पणी के संदर्भ को लेकर स्पष्टीकरण भी सामने आए, लेकिन तब तक स्थिति बदल चुकी थी। युवाओं के एक बड़े वर्ग ने इस शब्द को अपने अपमान के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया और

फिर उसी को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। यह वही प्रक्रिया है जिसे आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में "रीक्लेमिंग द नैरेटिव" कहा जाता है—अर्थात जिस शब्द या पहचान का इस्तेमाल आपको कमजोर करने के लिए किया गया हो, उसे अपनी ताकत में बदल देना। सोशल मीडिया के युग में किसी विचार को जनांदोलन का रूप लेने में अब महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। कुछ घंटे और कुछ वायरल पोस्ट ही पर्याप्त होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय इसी डिजिटल युग की देन है। पूर्व राजनीतिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इसकी घोषणा किए जाने के बाद देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों पर इसके समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट, मीम्स और वीडियो साझा किए जाने लगे। यह स्पष्ट संकेत था कि यह केवल एक मजाक नहीं है, बल्कि युवाओं के भीतर मौजूद किसी गहरी बेचैनी और असंतोष की अभिव्यक्ति है। भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति देश के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि युवा ऊर्जा विकास की गति को तेज कर सकती है, और चुनौती इसलिए क्योंकि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा न मिले तो असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार का प्रश्न भारतीय युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लाखों छात्र वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्तियों में देरी, पेपर लीक, सीमित पदों और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण उनका भविष्य अनिश्चित बना रहता है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता को लेकर अनेक प्रश्न मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। कॉकरोच जनता पार्टी की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में समझना होगा। यह आंदोलन केवल एक टिप्पणी की प्रतिक्रिया नहीं है। यह उस व्यापक मनोदशा का परिणाम है जो लंबे समय से बन रही थी। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितता—इन सभी कारकों ने युवाओं के भीतर एक ऐसी बेचैनी पैदा की है जिसे पारंपरिक राजनीति पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर सकी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से अल-नस्र बना सऊदी प्रो लीग चैंपियन

नई दिल्ली

अल-नस्र ने गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए दमाक को 4-1 से हराकर सऊदी प्रो लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। राजधानी रियाद के अल-अव्वल पार्क में खेले गए मुकाबले में स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

यह अल-नस्र का 2018-19 सीजन के बाद पहला लीग खिताब है। साथ ही रोनाल्डो ने भी सऊदी क्लब के साथ अपना पहला बड़ा खिताब जीत लिया।

सादियो माने ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच के 33वें मिनट में सादियो माने ने जोआओ फेलिक्स के कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर अल-नस्र को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में फेलिक्स और माने लगातार दमाक की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाते रहे।

दमाक ने की वापसी की कोशिश

दूसरे हाफ में दमाक ने वापसी की कोशिश की और 58वें मिनट में मोरले सिल?ला ने पेनाल्टी पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि अल-नस्र ने तुरंत जवाब दिया।

किंग्सले कोमान ने शानदार मूव बनाते हुए टीम को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद रोनाल्डो ने मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया।

रोनाल्डो का शानदार डबल

रोनाल्डो का पहला गोल फ्री-किक पर आया, जहां उन्होंने बेहद कठिन कोण से गेंद को सीधे जाल में पहुंचा दिया। इसके बाद 81वें मिनट में कोमान के शानदार पास पर रोनाल्डो ने दूसरा गोल दागकर जीत और खिताब दोनों पक्के कर दिए।

41 वर्षीय रोनाल्डो पूरे मैच में शानदार लय में दिखे और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अल-नस्र का मैच पर पूरा दबदबा

अल-नस्र ने मुकाबले में 62 प्रतिशत से ज्यादा बाल पजेशन अपने नाम रखा। टीम ने कुल 13 शाट लगाए, जिनमें आठ निशाने पर रहे। दूसरी ओर दमाक सिर्फ तीन प्रयास ही कर सका। इस हार के साथ दमाक का रेलीगेशन भी तय हो गया, जबकि अल-नस्र के लिए यह जीत लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत लेकर आई।

न्यूज ब्रीफ

विराट से टेस्ट प्रारुप में वापसी को लेकर बात कर रहे बचपन के कोच

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही

प्रशंसकों के अलावा पूर्व क्रिकेटरों ने भी मांग की है कि वह एक बार फिर खेल में वापसी करें। इन लोगों का मानना है कि भारतीय टेस्ट टीम को अभी विराट की जरुरत है और उनमें अभी काफी क्रिकेट भी बचा है। इसी को लेकर प्रशंसकों ने विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा से भी उन्हें वापसी के लिए मनाने को कहा था। इस मामले में अब कोच का बयान आया है। इसमें उन्होंने कहा है कि ने उनकी इस बारे में विराट से बात हुई है पर अभी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। विराट ने पिछले साल 12 मई 2025 को अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर प्रशंसकों को हैरान कर दिया था। भारत के लिए 123 टेस्ट मैचों में 9230 रन बनाकर, वह देश के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टेस्ट बल्लेबाज के रूप में अपने करियर का समापन कर चुके थे। जून 2011 से जनवरी 2025 तक चले उनके लंबे करियर के बाद यह फैसला अप्रत्याशित था। उनके इस फैसले को एक साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी लगातार उन्हें एक बार फिर भारतीय टीम के लिए टेस्ट प्रारूप में खेलते देखना चाहते हैं।
कोच ने बताया कि उन्होंने विराट से टेस्ट में वापसी को लेकर चर्चा की है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उन्होंने विराट से टेस्ट क्रिकेट में लौटने के लिए कहा है, तो उन्होंने जवाब दिया, कई लोगों ने मुझसे कहा है कि विराट को टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए कहूं क्योंकि वह मेरी बात सुनता है।

हार्दिक पांड्या को मुम्बई इंडियंस से रिलीज करने की मांग उठी

मुम्बई। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन आईपीएल में लगातार तीसरे सत्र में भी

बेहद खराब रहा है और टीम प्लेआफ में भी नहीं पहुंच पायी है। ऐसे में पांड्या को टीम से रिलीज करने की मांग एक बार फिर तेज हो गयी है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम ने अपने पहले ही सत्र में खिताब जीता था और दूसरे सत्र में वह उपविजेता रही थी। जिसके बाद वह मुम्बई आये थे और रोहित शर्मा की जगह पर उन्हें कप्तान बनाया गया लेकिन टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम के प्रदर्शन के अलावा उनका स्वयं का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। मुंबई इंडियंस पिछले तीन सत्र में केवल एक बार ही प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर पाई है, जबकि दो बार तालिका में सबसे नीचे रही है, जिसमें आईपीएल 2024 भी शामिल है। इसी वजह से अब पांड्या से सिर्फ कप्तानी छीनने की नहीं, बल्कि उन्हें टीम से ही रिलीज करने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने भी अपनी राय रखते हुए एक बड़ा सुझाव दिया है। हार्दिक को लेकर वान ने कहा, रिलीज कर दो। हालांकि, उन्होंने तुरंत एक और विकल्प सुझाया। उन्होंने कहा, उसे कैमरून ग्रीन से रिप्लेस कर दो। वान का यह सुझाव कई क्रिकेट जानकारों को काफी पसंद आ रहा है। पांड्या और ग्रीन दोनों एक ही तरह के आलराउंडर खिलाड़ी हैं, ऐसे में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच एक ट्रेड डील की संभावना बन सकती है। इस संभावित अदला-बदली से दोनों ही टीमों को लाभ हो सकता है। इससे कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के रूप में एक नया और अनुभवी कप्तान मिल जाएगा, वहीं ग्रीन मुंबई इंडियंस के बालिंग और बैटिंग दोनों डिपार्टमेंट को मजबूती प्रदान करेंगे।

आईपीएल 2026 से बाहर होने पर बोले सीएसके बालिंग कोच एरिक सिमंस, हम खुद को एक यूनिट के रूप में बेहतर समझकर जा रहे हैं

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) 2026 में टीम के निराशाजनक अभियान के बावजूद कहा कि इस सीजन ने टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों को बेहतर ढंग से समझने का मौका दिया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ गुरुवार को 89 रन की हार के साथ चेन्नई का अभियान समाप्त हो गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई और प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गई। मैच के बाद सिमंस ने कहा, हर खिलाड़ी इस सीजन से कुछ सीखकर जाएगा। बतौर गेंदबाजी कोच मैं सभी खिलाड़ियों के लिए रिपोर्ट तैयार करता हूं, ताकि वे अगले नौ महीनों में अपनी कमजोरियों पर काम करके और बेहतर खिलाड़ी बनकर लौटें। जैसे हमने अंशुल कांबोज को पिछले सीजन के बाद बेहतर होकर लौटते देखा। उन्होंने कहा कि इस सीजन ने टीम को एक इकाई के रूप में खुद को समझने में मदद की है। सिमंस ने कहा, अब हम खुद को एक यूनिट के रूप में पहले से बेहतर समझते हैं। हमें पता चला है कि कौन खिलाड़ी क्या कर सकता है और क्या नहीं। कार्तिक ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया और हमने उसकी क्षमता को करीब से देखा।

आरसीबी से इस टीम का होगा क्वालीफायर 1 में मुकाबला 255 रन बनाकर भी टॉप 2 से कट गया हैदराद का पत्ता

सनराइजर्स हैदराबाद के टॉप 2 की रेस से बाहर होते ही आईपीएल 2026 के क्वालीफायर-1 की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। लीग की दो सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमें अब फाइनल का टिकट पाने के लिए पहले क्वालीफायर में एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी। जी हां, आईपीएल 2026 के पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना गुजरात टाइटंस से होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस पहले ही 18 अंकों के साथ प्लेऑफ और टॉप-2 में अपनी जगह पक्का कर चुकी थी, और अब आरसीबी ने भी उनके साथ इस लिस्ट में एंट्री मार ली है।

अब क्या होगा सनराइजर्स हैदराबाद का भविष्य?

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में इस प्रचंड खेल के बावजूद हैदराबाद को अब लंबे और कठिन रास्ते से गुजरना होगा। टॉप-2 से पत्ता कटने के बाद हैदराबाद की टीम अब पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रहकर प्लेऑफ में जाएगी। इसका मतलब यह है कि हैदराबाद को अब सीधे 'एलिमिनेटर' मुकाबला खेलना होगा। एलिमिनेटर मैच का नियम बेहद क्रूर होता है इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है, जबकि जीतने वाली टीम को क्वालीफायर-2 में जाने का मौका मिलता है। ऐसे में हैदराबाद ने भले ही आज उप्पल में रनों की नुमाइश की हो, लेकिन 166 रन न बचा पाना उन्हें नॉकआउट स्टेज में भारी पड़ सकता है।

हैदराबाद: अपने होम ग्राउंड यानी राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने रनों का ऐसा तूफान खड़ा किया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के गेंदबाज पस्त नजर आए। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 4 विकेट पर 255 रनों का गगनचुंबी स्कोर खड़ा किया और मुकाबले में अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। लेकिन कहते हैं न कि क्रिकेट में कभी-कभी मैच जीतकर भी आप वो सब कुछ नहीं जीत पाते जिसकी आपको जरूरत होती है। ऐसा ही कुछ पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद के साथ हुआ है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपने घर में इस मुकाबले को जीतने की कगार पर होने के बावजूद आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 की रेस से आधिकारिक तौर पर बाहर हो गई है। 255 रन बनाने के बाद भी उनका सीधे क्वालीफायर-1 खेलने का सपना टूट गया है।

165 रन बनते ही हैदराबाद का पत्ता कटा

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए समीकरण बिल्कुल साफ था। अगर उन्हें पॉइंट्स टेबल में नंबर 2 पर काबिज होकर सीधे क्वालीफायर-1 का टिकट पाना था, तो उन्हें आरसीबी को इस मैच में 165 या उससे कम के स्कोर पर रोकना था। अगर हैदराबाद ऐसा करने में सफल रहती, तो उनका नेट रन रेट बेंगलुरु से बेहतर हो जाता। लेकिन, रनों के इस विशाल पहाड़ का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम ने भले ही अपने विकेट गंवाए हों, लेकिन उनके बल्लेबाजों ने रन गति को धीमा नहीं होने दिया। जैसे ही आरसीबी ने अपनी पारी में 165 रनों का आंकड़ा पार किया, वैसे ही सनराइजर्स हैदराबाद का टॉप-2 में पहुंचने का गणित पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इसी के साथ आरसीबी ने लीग स्टेज खत्म होने से पहले ही आधिकारिक तौर पर टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली।

धीमी ओवर गति पर ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना, सीएसके के अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली

ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स पर आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कार्रवाई की गई है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

यह इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का दूसरा स्लो ओवर रेट अपराध था। इससे पहले टीम पर मैच नंबर 18 में भी इसी कारण कार्रवाई हुई थी। नियमों के अनुसार दूसरी बार दोषी पाए जाने पर कप्तान पर बड़ा जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी जुर्माना लगाया गया है। सभी खिलाड़ियों को उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत या 6 लाख रुपये — जो भी कम हो — बतौर जुर्माना देना होगा। गुजरात टाइटंस ने 89 रन से दर्ज की बड़ी जीत अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। टीम के लिए साई सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन और कप्तान शुभमन गिल ने 37 गेंदों में 64 रन की शानदार पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। अंत में जोस बटलर ने 27 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

चेन्नई की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखरी

230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ सिर्फ 16 रन बना सके।

शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रन की तेज पारी खेलकर उम्मीद जगाई, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई।

सिराज, रबाडा और राशिद का कहर

गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने तीन-तीन विकेट लेकर चेन्नई के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। वहीं राशिद खान ने भी 3 विकेट झटके।

मोहम्मद सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

एशियन जूनियर टेनिस : इवाना, चटर्जी, आरुष व तारुष खिताबी मुकाबले में पहुंचे

इंदौर। मप्र टेनिस संघ द्वारा आयोजित तथा पाथ फाउंडेशन व मोयरा सरिया द्वारा प्रायोजित पुनित मेमोरियल एशियन जूनियर अंडर-12 इंदौर ओपन टेनिस टूर्नामेंट अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबलों में इवाना अरोरा, पी. चटर्जी, आरुष खन्ना व तारुष बीसी ने अपने-अपने मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट के सभी खिताबी मुकाबले शुक्रवार शाम 4:30 बजे से खेले जाएंगे। बालिका एकल वर्ग के पहले सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। गैर वरीय इवाना अरोरा ने शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त सेजल जाधव को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से शिकस्त दी। तेज धूप के बावजूद इवाना ने गजब की लय दिखाई और पहले सेट में सेजल को एक भी गेम नहीं जीतने दिया। दूसरे सेट में भी सेजल महज एक गेम ही बचा सकीं। अब फाइनल में इवाना का सामना छठी वरीयता प्राप्त पी. चटर्जी से होगा। चटर्जी ने दूसरे सेमीफाइनल में बी. जयप्रकाश को कड़े संघर्ष में 7-5, 6-3 से मात दी। पहले सेट में दोनों के बीच हर एक अंक के लिए जोरदार टक्कर हुई, लेकिन चटर्जी ने आखिरी पलों में लगातार दो गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। आरुष को मिली मैराथन जीत, तारुष ने खेला एकतरफा मैच बालक एकल वर्ग के पहले सेमीफाइनल में आरुष खन्ना ने श्लोक अलांद को एक मैराथन मुकाबले में 7-6(5), 6-2 से हराया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखी, जिससे मुकाबला टाईब्रेकर में पहुंचा, जहां आरुष ने बाजी मारी। दूसरे सेट में आरुष ने एकतरफा खेल दिखाया।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए नार्वे की टीम घोषित, एर्लिंग हालांड और मार्टिन ओडेगार्ड शामिल

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के लिए नार्वे ने गुरुवार को अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान प्रीमियर लीग चैंपियन क्लब आर्सेनल के स्टार मिडफील्डर मार्टिन ओडेगार्ड संभालेंगे, जबकि मैनचेस्टर सिटी के धाकड़ स्ट्राइकर एर्लिंग हालांड भी टीम का हिस्सा हैं।

सबसे ज्यादा चर्चा युवा गोलकीपर सैंडर टैंगविक के चयन को लेकर रही। हैम्बर्ग एसवी के इस अनकैप्ड गोलकीपर को नार्वे की टीम में अंतिम स्थान मिला। 23 वर्षीय टैंगविक पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुने गए हैं।

गोलकीपर चयन को लेकर काफी समय से अटकलें चल रही थीं। एसके ब्रान के गोलकीपर माथियास डिंगलैंड चोटिल हो गए थे, जबकि फीफा ने बोदो/ग्लिम्ट के गोलकीपर निकिता हाइकिन की राष्ट्रीयता बदलने की मांग खारिज कर दी थी। इसके बाद टैंगविक को टीम में जगह मिली।

नार्वे को विश्व कप 2026 में ग्रुप-ङ्क में रखा गया है। इस ग्रुप में फ्रांस, सेनेगल और इराक जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं। इसे टूर्नामेंट का ग्रुप आफ डेथ माना जा रहा है।

नार्वे की विश्व कप 2026 टीम

गोलकीपर: ओरजान हास्कजोल्ड नाइलैंड, एगिल सेल्विक, सैंडर टैंगविक

डिफेंडर: जूलियन रायर्सन, मार्कस होल्मग्रेन पेडरसन, डेविड मोलर वोल्फ, फ्रेडरिक ब्योर्कान, क्रिस्टोफर आजेर, टारब्योर्न हेग्गेम, लियो स्कीरी ओस्टिगार्ड, सान्ड्रे लांगास, हेनरिक फाल्चेनर

मिडफील्डर: मार्टिन ओडेगार्ड, सैंडर बर्गे, फ्रेडरिक आर्सनेस, पैट्रिक बर्ग, क्रिस्टियन थोर्स्टवेड्ट, मार्टन थोर्सबी, थेलो आसगार्ड

फारवर्ड: एर्लिंग हालांड, अलेक्जेंडर सोरलोथ, यार्गेन स्ट्रैंड लार्सन, एंटोनियो नूसा, आस्कर बाब, आंद्रेयास शेल्डेरुप, जेन्स पेटर हाउगे।

सुदर्शन और गिल के बीच आरेंज कैप की जंग तेज, पर्पल कैप में भुवनेश्वर-रबाडा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के बाद आरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस और रोमांचक हो गई है। बल्लेबाजी में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल शीर्ष पर छाए हुए हैं, जबकि गेंदबाजी में कगिसो रबाडा ने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली है।

आरेंज कैप की दौड़ में साई सुदर्शन नंबर-1

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने चेन्नई के खिलाफ 37 गेंदों पर 64 रन की पारी खेलकर पहले आरेंज

कैप अपने नाम की। मुकाबले से पहले उनके 552 रन थे, जबकि उनके ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन 554 रन के साथ उनसे आगे थे।

हालांकि, साई सुदर्शन ने 53 गेंदों पर 84 रन की शानदार पारी खेलते हुए फिर से आरेंज कैप हासिल कर ली। अब उनके नाम 638 रन हो गए हैं, जबकि शुभमन गिल 616 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने 579 रन बनाए हैं। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श 563 रन और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 555 रन के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

विराट कोहली भी इस रेस में बने हुए हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज 542 रन के साथ छठे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप में भुवनेश्वर कुमार और कगिसो रबाडा बराबरी पर

गेंदबाजी में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा ने चेन्नई के खिलाफ 3 विकेट लेकर उनकी बराबरी कर ली।

अब दोनों गेंदबाजों के नाम 24-24 विकेट हैं। हालांकि, बेहतर इकानमी रेट (7.70) होने के कारण पर्पल कैप अभी भी भुवनेश्वर कुमार के पास है, जबकि रबाडा की इकानमी 9.18 है।

चेन्नई के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। इसके साथ ही उनके इस सीजन में 17 विकेट हो गए हैं और वह सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने साई सुदर्शन का विकेट लेकर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 21 तक पहुंचाई और वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के राशिद खान ने भी 3 विकेट लेकर कुल 19 विकेट पूरे कर लिए और चौथे स्थान पर पहुंच गए।

राजस्थान रायल्स के जोफ्रा आर्चर और कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी 18-18 विकेट के साथ उनके पीछे बने हुए हैं।

इंटुइट में 3000 कर्मचारियों की छंटनी : एआई पर बढ़ते फोकस के बीच कंपनी का पुनर्गठन

वाशिंगटन

ग्लोबल फाइनेंशियल टेक्नोलाजी फर्म इंटुइट (इंटुइट) ने अपने वैश्विक कार्यबल के 17 प्रतिशत कर्मचारियों, यानी करीब 3000 लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। यह बड़ा कदम तब उठाया गया है जब कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और अपने संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी के आंतरिक मेमो के अनुसार, सीईओ ससन गुडार्ज़ी ने कर्मचारियों को बताया कि इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य जटिलता को कम करना, परिचालन को सुव्यवस्थित करना और ग्राहकों के लिए बेहतर उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के लिए नवाचार की गति को तेज करना है। गुडार्ज़ी ने बताया कि ये छंटनियां एआई द्वारा कर्मचारियों को बदलने के लिए नहीं की जा रही हैं, बल्कि यह कंपनी की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने की एक रणनीतिक पहल का हिस्सा है। इंटुइट अपने संसाधनों को एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों की ओर स्थानांतरित कर रहा है। हाल ही में, कंपनी ने अपने क्विकबुक्स जैसे प्रमुख वित्तीय और टैक्स साफ्टवेयर में एआई क्षमताओं को जोड़ने के लिए ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी अग्रणी एआई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी कंपनी को अपने ग्राहकों को अधिक उन्नत और सहज समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। कंपनी का मानना है कि एआई एकीकरण से उसके परिचालन में सुधार आएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों को 16 सप्ताह का मूल वेतन दिया जाएगा, साथ ही कंपनी में बिताए गए प्रत्येक वर्ष की सेवा के लिए अतिरिक्त 2 सप्ताह का वेतन भी उनके पैकेज में शामिल होगा।

इंटुइट की इस वैश्विक छंटनी का असर भारत पर भी पड़ना तय है, खासकर बेंगलुरु में, जो कंपनी के वैश्विक हब में से एक है। यहां उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और डेटा साइंस की बड़ी टीमें काम करती हैं, जिसके चलते इन कार्यालयों में भी कुछ भूमिकाएं समाप्त की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, इंटुइट रेनो, नेवादा और वुडलैंड हिल्स, कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय भी बंद कर रहा है। यह घोषणा उसी दिन हुई जब मेटा ने अपने यहां से 8000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

निसान इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी

नई दिल्ली। कामपैक्ट एसयूवी सेगमेंट में निसान मैग्नाइट लगातार अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए हुए है। अप्रैल माह में भी यह निसान इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। हालिया बिक्री आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने बीते महीने मैग्नाइट की कुल 1,775 यूनिट्स बेचीं। हालांकि, मैग्नाइट की बिक्री में केवल 1 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई, लेकिन कंपनी की कुल बिक्री में 76 प्रतिशत का बड़ा उछाल दर्ज किया गया, जो निसान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अप्रैल माह में निसान इंडिया ने कुल 3,203 कारों की बिक्री की, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 1,825 यूनिट्स का था, जो कंपनी के प्रभावशाली विकास को दर्शाता है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर कंपनी की नई एसयूवी निसान ग्रेविटी रही, जिसकी 1,428 यूनिट्स बिकीं। हालांकि, मार्च माह की तुलना में इसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, निसान एक्स ट्रेल का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा और अप्रैल महीने में इसकी एक भी यूनिट नहीं बिक सकी, जो कंपनी के लिए चिंता का विषय हो सकता है। निसान मैग्नाइट की लोकप्रियता की सबसे बड़ी वजह इसकी किफायती कीमत, दमदार डिजाइन और शानदार फीचर्स माने जा रहे हैं। इसमें 1.0-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प मिलता है, जो ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की आजादी देता है। साथ ही, ग्राहकों को मैनुअल और आटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन की सुविधा दी जाती है।

रुपया लुढ़क रहा, आरबीआई का सख्त वार तय, केंद्रीय बैंक ने बुलाई उच्च-स्तरीय बैठकें रेपो रेट वृद्धि पर गंभीर मंथन जारी

नई दिल्ली। डालर के मुकाबले रुपये की रिकार्ड गिरावट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को गंभीर चिंता में डाल दिया है। इस सप्ताह रुपया ऐतिहासिक रूप से लगभग 97 प्रति डालर के निचले स्तर पर पहुंच गया, जिसके बाद केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने और राष्ट्रीय मुद्रा को संभालने के लिए तत्काल और कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी सहित कई विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने हाल के दिनों में कई उच्च-स्तरीय बैठकें की हैं। इन बैठकों में रुपये को पाताल में जाने से रोकने और स्थिरता लाने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने से लेकर विदेशी निवेशकों से डालर जुटाने जैसे विकल्पों पर मंथन जारी है। नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) में बढ़ोतरी को रुपये की कमजोरी थामने का प्रभावी हथियार माना जा रहा है, जिस पर केंद्रीय बैंक गंभीरता से विचार कर रहा है। आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 जून से निर्धारित है, लेकिन मौजूदा संकट की गंभीरता को देखते हुए रिजर्व बैंक तय कार्यक्रम से पहले भी आपातकालीन बैठक बुलाकर दरों में बदलाव कर सकता है।

डीजल मूल्य अंतर ने बढ़ाई परेशानी, थोक खरीदार खुदरा पंपों पर उमड़े, कुछ जगहों पर मांग में 20-30 फीसदी की वृद्धि हुई

नई दिल्ली। देश के कुछ पेट्रोल पंपों पर डीजल की संभावित कमी की खबरों के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति घबराहट में खरीद और थोक व खुदरा डीजल कीमतों में भारी अंतर के कारण उत्पन्न हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में एक अधिकारी ने बताया कि थोक खरीदार अब खुदरा पंपों का रुख कर रहे हैं, जिससे कुछ ईंधन खुदरा दुकानों पर मांग में लगभग 20-30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में थोक डीजल की कीमत लगभग 149 रुपये प्रति लीटर है, जबकि खुदरा डीजल की दर 91.58 रुपये प्रति लीटर है, जो 40-42 रुपए प्रति लीटर का एक बड़ा अंतर है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने 1 मई को कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद थोक डीजल की कीमतों में 12 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी, जबकि खुदरा डीजल की कीमतें पिछले सप्ताह में केवल लगभग 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों में आमतौर पर दो से तीन दिनों का स्टाक होता है, और मांग में 20-30 प्रतिशत की अचानक वृद्धि से उन्हें अस्थायी रूप से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ऐसे स्थानों की लगातार निगरानी की जा रही है और उन्हें नियमित रूप से फिर से भरा जा रहा है।

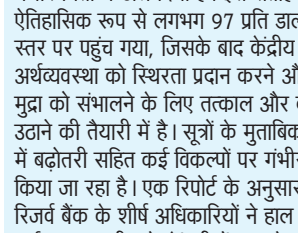

भारतीय दवा उद्योग पर बड़ा संकट, बढ़ सकती हैं पैरासिटामोल और एंटीबायोटिक्स की कीमतें

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता का बुरा असर अब आम इंसान की सेहत और जेब पर पड़ने वाला है। दुनिया भर में सबसे ज्यादा सस्ती (जेनेरिक) दवाएं भेजने वाले भारत के दवा उद्योग पर एक बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है। इस युद्ध के कारण दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की कमी हो सकती है, माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है और सप्लाई चेन टूट सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले दिनों में पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और डायबिटीज जैसी आम बीमारियों की दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं और इनकी कमी भी हो सकती है। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनके नेतृत्व में अमेरिका का यह युद्ध वैश्विक व्यापार को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

फार्मेक्सिल (भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद) और अन्य उद्योग संगठनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव इसी तरह लंबे समय तक बना रहा, तो इसका बहुत भयंकर असर होगा। भारत लगभग 200 देशों को जेनेरिक दवाएं बेचता है। इस संकट का असर न केवल भारत पर पड़ेगा, बल्कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के उन तमाम गरीब देशों पर भी पड़ेगा, जो सस्ती दवाओं के लिए पूरी तरह से भारत पर निर्भर हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग का आकार लगभग 50 अरब डालर का है। दुनिया की

कुल जेनेरिक दवा आपूर्ति में भारत की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है।

भारतीय दवा उद्योग की सबसे बड़ी कमजोरी क्या है

भारत भले ही दुनिया को सस्ती दवाएं बेचता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल (एपीआई) इसे दूसरे देशों से मंगाना पड़ता है। साल 2025 में भारत ने लगभग 39,215 करोड़ रुपये के कच्चे माल का आयात किया था, जिसमें 70 से 75 प्रतिशत हिस्सा अकेले चीन का था। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही रुकने से कच्चे माल की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

कौन सी प्रमुख दवाओं की सप्लाई पर सबसे पहले असर पड़ेगा

कच्चा माल न पहुंचने का सबसे पहला और बड़ा असर उन दवाओं पर पड़ेगा जिनका इस्तेमाल हम रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं। सूत्रों के अनुसार, पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज (मधुमेह) की दवाओं की सप्लाई पर सीधा संकट आ सकता है क्योंकि ये दवाएं मुख्य रूप से आयात किए गए कच्चे माल से ही बनती हैं। इसके अलावा, कैंसर की दवाओं और इंजेक्शन जैसी चीजों को तय तापमान में रखना होता है। लाजिस्टिक्स उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि रास्ते बदलने और अतिरिक्त सुरक्षा के कारण माल ढुलाई का खर्च और समय दोनों बढ़ेंगे, जिससे दवाओं की लागत में भारी इजाफा होने की पूरी संभावना है।

रियलमी ने पेश किया स्मार्टफोन रियलमी 16टी 5जी

नई दिल्ली

सोशल मीडिया और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन के बढ़ते दौर में लोग ऐसे फोन की तलाश कर रहे हैं, जो शानदार तस्वीरें और वीडियो रिकार्डिंग का अनुभव दे सके। डिजिटल कंटेंट क्रिएशन के लिए ही रियलमी ने अपने नए स्मार्टफोन रियलमी 16टी 5जी को पेश किया है। इस फोन में कंपनी ने 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स852 एआई कैमरा सेंसर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह अपने सेगमेंट का सबसे दमदार कैमरा सिस्टम है।

रियलमी 16टी 5जी में एफ1.8 अपर्चर, आटोफोकस और एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक दी गई है, जिससे कम रोशनी में भी स्पष्ट और डिटेल तस्वीरें ली जा सकेंगी। स्मार्टफोन में पहली बार एआई पापआउट फीचर भी दिया गया है, जो फोटो में विषय को अलग तरीके से उभारकर अधिक आकर्षक इमेज तैयार करता है। यह फीचर खासतौर पर सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और इंस्टाग्राम रील्स बनाने वाले यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, फोन में लूमाकलर इमेज इंजन का उपयोग किया गया है, जो त्वचा के रंग, पोर्ट्रेट और लाइटिंग को प्राकृतिक बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ एआई पोर्ट्रेट ग्लो फीचर भी दिया गया है, जो चेहरे की रोशनी और बैकग्राउंड को बेहतर तरीके से संतुलित करता है। इसमें फ्लैश, रिम लाइट, स्टूडियो लाइट और नैचुरल लाइट जैसे कई मोड दिए गए हैं। रियलमी 16टी 5जी में एआई स्टाइलमी, एआई इंस्टेंट क्लिप और एआई फुटबाल स्टार जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इनकी मदद से यूजर्स तस्वीरों को स्टूडियो क्वालिटी पोर्ट्रेट, सिनेमाई वीडियो क्लिप और रचनात्मक सोशल मीडिया कंटेंट में बदल सकेंगे। फोन में रियर सेल्फी मिरर फीचर भी दिया गया है, जिससे यूजर्स मुख्य कैमरे से ही बेहतर क्वालिटी की सेल्फी ले सकेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बे-नाम...

वनस्थलीपुरम की एनजीओ कॉलोनी में एक स्वतंत्र मकान, और मणिकोंडा व माजिदबांदा में दो फ्लैट (जिनकी कीमत 1.12 करोड़ रुपये आंका गया है)।

कृषि भूमि (फार्मलैंड): इब्राहिमपटनम के नरेपल्ली में 10 लाख रुपये मूल्य का दो एकड़ का एक शानदार फार्महाउस।

नकदी और बैंक बैलेंस: छापे के दौरान मौके से 2,10,800 रुपये नकद और विभिन्न बैंक खातों में कुल 20 लाख रुपये का बैलेंस मिला।

लक्जरी सामान और वाहन: 32 लाख रुपये मूल्य की दो गाड़ियां (एक टोयोटा इनोवा क्रिस्टा और एक किया कार) के साथ-साथ 122 ग्राम सोने के आभूषण भी बरामद किए गए हैं।

ससुर के नाम पर हुई संदिग्ध जमीनी सौदे

गहन जांच के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के हाथ एक बेहद संदिग्ध लेनदेन का मामला भी लगा है। इसके तहत रंगारेड्डी जिले के पिगलीपुर गांव में आठ एकड़ कृषि भूमि का सौदा शामिल है। यह कीमती जमीन वर्ष 2023 में आरोपी अधिकारी के ससुर विजय भास्कर के नाम पर खरीदी गई थी, जो अब एसीबी की जांच के रडार पर है।

एसीबी ने स्पष्ट किया है कि उक्त अधिकारी का यह कृत्य भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और धारा 13(2) के तहत एक दंडनीय अपराध है। आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है।

रिश्वत मांगने पर तुरंत मिलाएं 1064

इसके साथ ही एसीबी ने आम जनता से पुरजोर अपील की है कि यदि कोई भी लोक सेवक या सरकारी अधिकारी उनसे रिश्वत की मांग करता है, तो वे तुरंत उनके टोल-फ्री नंबर 1064 पर या उनके आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से इसकी रिपोर्ट करें। ब्यूरो ने आश्वासन दिया है कि शिकायतकर्ताओं की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

क्रीमी...

अब वे बाहर किए जाने पर सवाल उठा रहे हैं यह भी ध्यान में रखना होगा।

सैलरी इनकम क्रीमी लेयर का मानक नहीं

यह बात तब कही गई जब एडवोकेट शशांक रत्नू ने तर्क दिया कि सरकारी कर्मचारियों में क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए सैलरी इनकम तय करने वाला मानक नहीं है।

उन्होंने कहा कि क्रीमी लेयर का बाहर किया जाना माता-पिता के स्टेटस पर निर्भर करता है, जैसे कि वे ग्रुप ए या ग्रुप बी सर्विस से हैं, न कि सिर्फ़ उनकी सैलरी इनकम पर। उन्होंने कहा कि अगर सैलरी को ही एकमात्र क्राइटेरिया माना जाए, तो ड्राइवर, चपरासी, क्लर्क और दूसरे निचले रैंक के सरकारी कर्मचारियों को भी रिज़र्वेशन के फ़ायदों से बाहर रखा जा सकता है।

रत्नू ने तर्क दिया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए, सैलरी इनकम क्रीमी लेयर तय करने वाला फ़ैक्टर नहीं थी। उन्होंने कहा कि सैलरी और खेती से होने वाली इनकम पर विचार नहीं किया जा सकता, और सिर्फ़ बिज़नेस या दूसरे सोर्स से होने वाली इनकम पर ही विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोर्ट के अलग-अलग विचार हैं, और इसकी डिटेल में जांच की ज़रूरत है।

जस्टिस नागरत्ना ने आईएएस अधिकारियों के बच्चों का उदाहरण देते हुए पूछा कि जब माता-पिता दोनों आईएएस अधिकारी हैं और सरकारी नौकरी में अच्छी जगह पर हैं, तो रिज़र्वेशन क्यों जारी रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में, पिटीशनर के पिता को हर महीने 53,900 की बेसिक सैलरी मिल रही थी, जबकि मां को हर महीने 52,650 की बेसिक सैलरी मिल रही थी।

रत्ना ने कहा कि ये आंकड़े क्रीमी लेयर का स्टेटस तय करने के लिए ज़रूरी नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने कर्नाटक सरकार के एक क्लैरिफिकेशन पर भरोसा किया था जिसमें कहा गया था कि जहां माता-पिता राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, वहां योग्यता तय करते समय सैलरी और अलाउंस पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर क्रीमी लेयर का स्टेटस तय करते समय सभी तरह की इनकम को ध्यान में रखा जाए, तो ओबीसी रिज़र्वेशन और ईडब्यूएस रिज़र्वेशन में कोई फ़र्क नहीं रहेगा। उन्होंने तर्क दिया कि क्रीमी लेयर के स्टैंडर्ड और ज़्यादा लिबरल रहने चाहिए।

आखिरकार, कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी किया। यह याचिका कर्नाटक हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के एक फैसले से जुड़ी है, जिसने कैंडिडेट के पक्ष में सिंगल जज के फैसले को पलट दिया था। सिंगल जज ने माना था कि कैंडिडेट के माता-पिता की सैलरी इनकम को यह तय करते समय बाहर रखना ज़रूरी है कि वह क्रीमी लेयर में आता है या नहीं और उसने जाति वैलिडिटी सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया था।

डिवीजन बेंच ने उस फैसले को पलट दिया और कहा कि 8 सितंबर, 1993 का सेंट्रल गवर्नमेंट ऑफिस मेमोरेंडम, जिसमें सैलरी को शामिल नहीं किया गया था।

तुलसी हटीं...

कार्यक्रमों को समाप्त किया और भी बहुत कुछ। इस महीने तक, गैबर्ड ने ट्रंप-रूस जांच, जेएफके और आरएफके की हत्याओं आदि से संबंधित दस्तावेजों सहित, सरकारी रिकॉर्ड के पांच लाख से अधिक पृष्ठों को सार्वजनिक किया है।

पहली हिंदू सांसद, मोदी की रहीं प्रशंसक

तुलसी गबार्ड का जन्म अमेरिका के समोआ में हुआ था। तुलसी के पिता यूरोपीय मूल और मां भारतीय हैं। सेना में रहते हुए उन्होंने इराक में सेवाएं दीं। तुलसी गबार्ड डेमोक्रेटिक पार्टी की पूर्व नेता हैं। वह अमेरिका की पहली हिंदू सांसद हैं। तुलसी कमला हैरिस की मुखर विरोधी हैं। साल 2019 में तुलसी ने राष्ट्रपति पद की पहली डिबेट में कमला हैरिस को शिकस्त दी थी। तुलसी ने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ी थी। बाद में वह रिपब्लिकन में शामिल हो गईं। तुलसी गबार्ड पीएम मोदी की भी प्रशंसक रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर लिखा, दुर्भाग्यवश, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर के एक दुर्लभ रूप का पता चला है, और वह स्वाभाविक रूप से उनके साथ रहना चाहती हैं, ताकि वे दोनों मिलकर इस कठिन लड़ाई में उनका स्वास्थ्य सुधार सकें। मुझे पूरा विश्वास है कि वे जल्द ही पहले से बेहतर हो जाएंगे। तुलसी ने अविश्वसनीय काम किया है, और हम उन्हें बहुत याद करेंगे। उनके सम्मानित प्रधान उप राष्ट्रीय खुफिया निदेशक, आरोन लुकास, कार्यवाहक राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

मंदिर में...

मुस्लिम समाज के सदर अब्दुल समद ने कहा कि समाज कानून व्यवस्था का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहा है।

उन्होंने बताया कि इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है और न्याय मिलने की उम्मीद है। उन्होंने साफ किया कि समाज किसी तरह की अशांति नहीं चाहता, बल्कि कानूनी तरीके से अपना पक्ष रख रहा है।

संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए रहे, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। दिनभर शांति बनी रही और दोनों समुदायों ने संयम का परिचय दिया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 23 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीमद् भागवत कथा षष्ठम दिवस : कृष्ण विवाह एवं रासलीला प्रसंगों ने भक्तों को किया भावविभोर

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सांवरिया सेठ भक्त मंडल के तत्वावधान में राधाकृष्ण धाम, शृंग ऋषि भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के षष्ठम दिवस की कथा श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुई।

गोपी गीत और रासलीला प्रसंग से भक्त हुए भावविभोर

व्यास पीठ से अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक हरिराम शास्त्री ने गोपी गीत का भावपूर्ण वर्णन करते हुए रासलीला का प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध तथा उद्धव-गोपी संवाद का विस्तृत वर्णन किया गया। गोपियों की भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति और प्रेम का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

श्रीकृष्ण बारात का भव्य स्वागत

भगवान श्रीकृष्ण के विवाहोत्सव के अवसर पर नवग्रह मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण की भव्य बारात गाजे-बाजे के साथ विभिन्न मार्गों से होती हुई श्री राधाकृष्ण धाम पहुँची। बारात में शामिल श्रद्धालुओं को साफा पहनाकर सम्मानित किया गया तथा रास्ते भर स्वजातीय बंधुओं द्वारा बारात का भव्य स्वागत किया गया।

कथा में भगवान श्रीकृष्ण एवं देवी रुक्मिणी के विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया। व्यास पीठ से श्री हरिराम शास्त्री ने बताया कि रुक्मिणी जी भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं और उन्होंने मन ही मन श्रीकृष्ण को अपना पति स्वीकार कर लिया था। जब उनका विवाह बलपूर्वक शिशुपाल से तय किया गया, तब उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर अपनी व्यथा प्रकट की।

भक्त की पुकार सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी जी का हरण कर उनसे विधिपूर्वक विवाह किया।

कथा के माध्यम से बताया गया कि भगवान अपने सच्चे भक्त की सदैव रक्षा करते हैं और उसकी लाज कभी नहीं जाने देते।

धर्म, समर्पण और संस्कार का संदेश

कथावाचक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का विवाह प्रसंग यह संदेश देता है कि विवाह केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और धर्म पर आधारित पवित्र बंधन है। दांपत्य जीवन में समर्पण, निष्ठा और परस्पर सम्मान का विशेष महत्व होता है।

षष्ठम दिवस की कथा में शिशुपाल के अहंकार और उसके अंत का भी उल्लेख किया गया। कथावाचक ने कहा कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है तथा भगवान सदैव भक्तों की रक्षा और अधर्म का विनाश करते हैं। वर्तमान जीवन में भक्ति, संस्कार और धर्म को अपनाकर परिवार एवं समाज में सुख-शांति स्थापित की जा सकती है।उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को सही दिशा देने वाली अमूल्य धरोहर है, जो प्रत्येक युग में कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।

आज सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष कथा

आयोजकों ने बताया कि 23 मई को सप्तम दिवस की कथा में सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष प्रसंग का वर्णन किया जाएगा। इसके पश्चात हवन यज्ञ, अतिथियों का सम्मान, भागवत आरती तथा कथा विश्राम होगा। सायं 6 बजे से प्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा।

एसएलबीसी की 49वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक ऋण योजना का शुभारंभ, 9.72 लाख करोड़ के क्रेडिट लक्ष्य का ऐलान

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना ने मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही की अपनी 49वीं तिमाही समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक ऋण योजना का शुभारंभ किया गया। यह बैठक आज, दिनांक 22.05.2026 को प्रजा भवन, हैदराबाद में हुई। इस बैठक में - भट्टी विक्रमार्का मल्लू (उप मुख्यमंत्री और वित्त, योजना और ऊर्जा मंत्री),

तुम्मला नागेश्वर राव (कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा और वस्त्र मंत्री), एम. दाना किशोर, (विशेष मुख्य सचिव, पंचायत राज और ग्रामीण विकास), संदीप कुमार सुल्तानिया, (प्रधान सचिव (वित्त)), डॉ. गौरव उप्पल, (सचिव (वित्त और योजना), चिन्मय कुमार, (क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद) आर गणपति, (महाप्रबंधक, नाबार्ड) , नीलेश द्विवेदी, सीजीएम, एसबीआई, हैदराबाद सर्किल,

सतीश कुमार, जीएम, एसबीआई और संयोजक, एसएलबीसी, तेलंगाना सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार के अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, आरआरबी, एसएफबी, भुगतान बैंकों के कार्यकारी, कृषि और एमएसएमई की विभिन्न संघों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

श्री सतीश कुमार, जीएम एसबीआई और संयोजक एसएलबीसी ने वार्षिक ऋण योजना की मुख्य बातें प्रस्तुत कीं- वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए क्रेडिट वितरण 9,72,253 करोड़ का अनुमानित लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.99% की वृद्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम के तहत वितरण का लक्ष्य 4,34,015 करोड़ रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 11.80% की वृद्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कृषि क्षेत्र के तहत वितरण का लक्ष्य 1,81,035 करोड़ रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 9.52% की वृद्धि है। अल्पकालिक उत्पादन ऋण : वर्ष 2026-27 के लिए 96,920 करोड़ का वितरण अनुमानित है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 8.29% की वृद्धि है। कृषि अवधि ऋण – फार्म क्रेडिट : वर्ष 2026-27 के लिए कृषि अवधि ऋण के तहत 57,192 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 9.16% की वृद्धि है। कृषि अवसंरचना : वर्ष 2026-27 के लिए 7,797 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 7.53% की वृद्धि है। कृषि सहायक गतिविधियाँ : वर्ष 2026-27 के लिए 19,126 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 18.41% की वृद्धि है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम : वर्ष 2026-27 के लिए इस क्षेत्र के तहत 2,30,491 करोड़ का वितरण अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.23% की वृद्धि है।

तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य: भट्टी

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार तीव्र विकास, शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी कल्याणकारी उपायों के दम पर तेलंगाना को 2047 तक 3 ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रजा भवन में 49वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था 10.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो कि 8.2 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख रुपये तक पहुंच गई है, जबकि इसके मुकाबले राष्ट्रीय औसत 2.1 लाख रुपये है।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार आर्थिक विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए कल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण, मूसी नदी के पुनरुद्धार, नवीकरणीय ऊर्जा, और 'फ्यूचर सिटी' व क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण को प्राथमिकता दे रही है।

तेलंगाना के कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने शुक्रवार को बैंकों से अपील की कि वे फसल ऋण के अलावा अवसंरचना और मूल्यवर्धित कृषि के ऋण बढ़ाकर गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं।

संदीप कुमार सुल्तानिया ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार ने आज बैंकों से तेलंगाना की 2047 दृष्टि को साकार करने में एक रूपांतरणकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया, जिसका लक्ष्य भारत की अनुमानित 30 ट्रिलियन यूएसडी अर्थव्यवस्था में 10% का योगदान करना है। वरिष्ठ बैंकिंग अधिकारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने वृद्धिशील विकास से आगे बढ़ने और उत्पादक क्षेत्रों, विशेष रूप से उद्योग, कृषि, एमएसएमई, और निर्यातकों के लिए मजबूत ऋण समर्थन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

चिन्मय कुमार ने संबोधित करते हुए हैदराबाद में एयरोस्पेस और रक्षा संबंधी एमएसएमई क्लस्टर को एक बड़ी विकास अवसर के रूप में उजागर किया और बैंकों से इन उभरते क्षेत्रों का वित्तपोषण करने की क्षमता निर्माण के लिए विशेष एमएसएमई शाखाएँ स्थापित करने का आग्रह किया।

दाना किशोर, डॉ. गौरव उप्पल, आर गणपति और सतीश कुमार, जीएम, एसबीआई और संयोजक, एसएलबीसी, तेलंगाना ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बैठक का समापन प्रियब्रत मिश्रा, डीजीएम (एबीयू और जीएसएस), एसबीआई तेलंगाना द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गोल्ड लोन पर फेडरेशन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

फर्जीवाड़े को रोकने के लिए बैंक कर्मियों को दी गई ट्रेनिंग

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड द्वारा विशेष रूप से गोल्ड लोन (स्वर्ण ऋण) का कामकाज संभालने वाले सदस्य बैंकों के कर्मचारियों के लाभ के लिए 'गोल्ड लोन (मंजूरी और संवितरण)' पर एक दिवसीय संवादमूलक (इंटरैक्टिव) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बैंक कर्मियों को सोने के आभूषणों के फर्जी या धोखाधड़ी वाले गिरवी को रोकने और गोल्ड लोन देते समय बरती जाने वाली अन्य सामान्य सावधानियों व सुरक्षा उपायों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाया गया। फेडरेशन के उपाध्यक्ष और अग्रसेन बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने विभिन्न बैंकों से आए प्रतिभागी कर्मचारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

दिनचर्या के सभी कार्य स्वयं करने से लाभ भी और सर्व शुभ भी

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित निःशुल्क मोटापा रोग निवारण शिविर के तीसरे दिन जलाराम योग केंद्र, जीरा सिकंदराबाद के शिक्षकों द्वारा योग अभ्यास का मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में 116 सदस्यों की उपस्थिति रही।

मार्गदर्शक शिक्षिका ने बताया कि पूर्व समय में गृहणियां अपने सभी कार्य स्वयं करती थीं तथा किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक साधनों का उपयोग नहीं होता था। नियमित शारीरिक श्रम के कारण मन प्रसन्न रहता था और मोटापा सहित छोटी-मोटी बीमारियां दूर रहती थीं। इससे आर्थिक लाभ के साथ जीवन में सर्व शुभ की भावना भी बनी रहती थी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश कार्य रिमोट एवं मशीनों के माध्यम से होने लगे हैं, जिसके कारण शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग का सहारा लेना पड़ रहा है। योग आत्मा और परमात्मा को जोड़ने का माध्यम है तथा स्वस्थ शरीर के बिना मन और आत्मा की ओर ध्यान केंद्रित करना संभव नहीं है।

नए साधकों पर विशेष ध्यान देते हुए शिक्षकों ने सरल आसनों के साथ उदारकर्षणासन, शलभासन एवं पवन मुक्तासन का अभ्यास करवाया। योग विद्यार्थियों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में इन आसनों का बखूबी अभ्यास किया।

भारतीय योग संस्थान के वरिष्ठ साधक एवं पिछले 35 वर्षों से प्रचार-प्रसार में सक्रिय श्यामसुंदर अग्रवाल ने कहा कि समाचार पत्र समाज को जागृत करने का एक प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि 25-30 वर्ष पूर्व समाचार पत्र ही जनजागरण का मुख्य साधन थे और उस समय शुभ लाभ के संपादक श्री हरि व्यास के सानिध्य में हिंदी मिलाप पत्रिका में भारतीय योग संस्थान की अनेक गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता था। शिक्षकों द्वारा प्राणायाम, सहज ध्यान एवं ओंकार जप का अभ्यास करवाया गया, जिससे उपस्थित साधकों को चैतन्य अनुभव की अनुभूति हुई। प्रशिक्षिका ने दिनचर्या विषय को विस्तार से समझाते हुए संतुलित जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सुपाच्य भोजन एवं अमृत पेय के सेवन पर जोर देते हुए चाय एवं गरिष्ठ भोजन से बचने की सलाह दी। साथ ही उत्तम साहित्य, मधुर संगीत एवं बागवानी के महत्व को भी बताया। प्रशिक्षिका ने प्रतिदिन कुछ समय ध्यान एवं आध्यात्मिक चिंतन के लिए निर्धारित करने का आग्रह किया।

रात्रि आत्मनिरीक्षण के माध्यम से गलतियों को सुधारने एवं रागरहित, प्रसन्न जीवन जीने की प्रेरणा दी गई। अंत में भारतीय योग संस्थान के सूत्र जियो और जीने दो का पालन करने का अनुरोध किया गया। शिविरों के महत्व, आसन, हास्य, प्राणायाम, ध्यान एवं दिनचर्या पर विस्तृत चर्चा के बाद प्रार्थना के साथ शिविर का समापन किया गया। आयोजकों ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों से प्रतिदिन सुबह 6 बजे संजीव पार्क में आयोजित मोटापा रोग निवारण शिविर में भाग लेने की अपील की। यह ज्ञानवर्धक शिविर पूर्णतः निःशुल्क है।

सेवा, समर्पण और अपनत्व की मिसाल बनता राधे-राधे ग्रुप : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। प्रतिदिन की भांति आयोजित इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों, असहाय एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा भाव, सहयोग और आत्मीयता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक सामाजिक संगठन नहीं बल्कि एक परिवार है, जहां सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे के साथ प्रेम, सम्मान और अपनत्व के भाव से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि परिवार में कभी ऊंच-नीच, छोटा-बड़ा या अपने-पराये का भेद नहीं होता और यही भावना राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी ताकत है।

आशा अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता प्रेम, सहयोग और संवेद-नशीलता की है। राधे-राधे ग्रुप इन मूल्यों को आत्मसात करते हुए निरंतर मानव सेवा के कार्यों में लगा हुआ है। यहां हर सदस्य तन, मन और धन से सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभाता है और यही एकता इस परिवार को विशेष बनाती है।

आज की सेवा में प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, हरीश टोलाराम हिंदुजा, जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भक्ति की लय 0 लाइव भजन क्लबिंग का भव्य आयोजन आज

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन धर्मप्रेमियों के सहयोग से द कॉन्फ्लुएंस (ढहश उेपषश्रीशपलश) द्वारा 'भक्ति की लय – लाइव भजन क्लबिंग' का भव्य आयोजन 23 मई, शनिवार शाम 6 बजे से जीमखाना ग्राउंड, सिकंदराबाद में किया जा रहा है।

लव फोर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार एवं मुकेश चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस अनूठे आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन विजय सुराणा, डॉ कल्याण नायक, चिकोटि प्रविण, वीरा बाबू, चाडा अनिता रेड्डी के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भजन जामिंग (क्लब्बिंग) हेतु मशहूर दिल्ली का प्रसिद्ध लीला रॉक बैंड आ रहा है।

यह हैदराबाद की सबसे बड़ी 'भजन क्लबिंग' भजन जामिंग होगी जिसमें भक्ति, संगीत और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

गणमान्य अतिथियों को किया गया निमंत्रित: केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेया सहित कई दिग्गज होंगे शामिल

आज केंद्रीय मंत्री श्री जी किशन रेड्डी, सांसद एम रघुनंदन राव, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेया, भाजपा तेलंगाना संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, जनरल सेक्रेटरी डा एन गौतम राव, जगन्नाथ मठ में उपस्थित नरेंद्र कापरे गुरूजी, महंत अच्युत रामानुजाचार्य, अर्जुन अग्रवाल, आलोक तिवारी, डा शुक्ला एवं अन्य को निमंत्रित किया गया।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर बैंड सदस्यों का भव्य स्वागत: लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने की विशेष सहयोग की घोषणा

वहीं शमशाबाद एयरपोर्ट पर दिल्ली का प्रसिद्ध लीला रॉक बैंड के सदस्यों का भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, तरुण मेहता, डा कल्याण नायक, विजय सुराणा, चिकोटी प्रवीण, चाडा अनीता रेड्डी, अभिषेक जगिनी, डा ज़ी रविकुमार, बी सुरेश, के गणेश, रवि नायक, भबूतसिंह राजपुरोहित, वीराबाबु, जिग्नेश दोशी, चौहान मुकेश जैन, हैंदवी रेड्डी, वीणा सेवक, नीरज सुराणा, एम उपेन्दर, आर अशोक कुमार, आर श्रीनिवास, वाई सत्यनारायण, भरत, सुमन, तरुण मेहता, जे लक्ष्मण, हिमांशी डागा एवं अन्य उपस्थित रहें!

युवा पीढ़ी से जुड़ने का आह्वान: पारंपरिक भजनों को मॉडर्न बीट्स के साथ दी जाएगी नई लय

आयोजकों तथा उपस्थित सभी गणमान्यों ने सभी भक्तों को एवं विशेष रूप से युवा पीढ़ी से इस अविस्मरणीय शाम का हिस्सा बनने का आह्वान किया है, जहां पारंपरिक भजनों, शिव तांडव, माताजी के भजनों को मॉडर्न बीट्स और लाइव म्यूजिक के साथ एक नई लय दी जाएगी।

भजन क्लब्बिंग कार्यक्रम में लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल द्वारा विशेष सहयोग दिया गया है! जसमत पटेल ने युवा पीढ़ी को

ऋषि श्रृंग भवन में सांवरिया सेठ एवं भक्त मंडल द्वारा जोधपुर निवासी भागवताचार्य रामस्नेही हरिराम शास्त्री द्वारा भागवत पाठ के अवसर पर सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना द्वारा महाराज जी व सहयोगियों का शॉल व माला से सम्मान करते हुए रामदेव नागला, नरेश पांडिया, नटवरलाल व्यास, दिनेश पांडिया, लक्ष्मीनारायण ओझा।

SHED on RENT

FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.

Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

अग्रवाल समाज की मैरिज डेटा कमेटी की कल

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा संचालित मैरिज डेटा कमेटी की 38वीं बैठक का आयोजन रविवार, 24 मई को राघव रत्ना टॉवर, चिराग अली लेन, आबिड्स स्थित समाज कार्यालय में किया जाएगा। बैठक प्रातः 10:30 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें कमेटी के अनेक गणमान्य सदस्य एवं समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संग्रह, समाज में वैवाहिक समन्वय को सुदृढ़ बनाने तथा पारिवारिक परिचय को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। समिति द्वारा अग्रबंधुओं से आग्रह किया जाता है कि वे विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा समिति को उपलब्ध कराएं, जिससे योग्य रिश्तों के चयन में सहायता मिल सके। समिति ने यह भी आश्वस्त किया है कि प्राप्त सभी जानकारियों को पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाना बताया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ग्रीष्मकालीन शिविर का 7वाँ दिन संपन्न

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेयरमैन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में आज शिविर के सातवें दिन की शुरुआत हनुमान चालीसा और बच्चों द्वारा श्लोक पाठ से की गई।

मेंटर श्री राम सिंह जी द्वारा बच्चों को पेंटिंग सिखाई गई। आज की मुख्य अतिथि श्रीमती इंदिरा अग्रवाल जी ने बच्चों को बहुत ही घरेलू ब्यूटीशियन टिप्स दिए और अपनी ओर से सभी बच्चों को उपहार भी भेंट किए।गणमान्य उपस्थिति: केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल, सचिव श्रीमती सीमा जैन और उपाध्यक्ष श्री प्रतीक रहे मौजूद

विशेष उपस्थिति: सेंट्रल वर्किंग प्रेसिडेंट श्री नरेंद्र गोयल जी, सेक्रेटरी श्रीमती सीमा जैन जी एवं उपाध्यक्ष श्री प्रतीक जी उपस्थित रहे। साथ ही उपाध्यक्ष प्रतीक जी द्वारा बच्चों को आगे भी इसी तरह समाज की हर गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।शिविर समाप्ति के बाद सभी मेंटर्स को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी अभिभावकों द्वारा प्रदान किए गए। साथ ही बच्चों और अभिभावकों का सेंट्रल कमेटी और श्रीमती इंदिरा अग्रवाल जी एवं अभिभावकों द्वारा सम्मान किया गया। नाश्ता सेंट्रल सेक्रेटरी श्रीमती सीमा जी द्वारा प्रायोजित किया गया।सहयोगी टीम: सेंट्रल ऑफिस से शीतल अग्रवाल, साथ ही शीतल रूंगटा, रानी मित्तल, सुमन गुप्ता, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सांची, पायल, काशवी और भूमि का विशेष सहयोग रहा।

सेवा और सत्संग से ही मानव जीवन होता है सार्थक : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का प्रेरणादायी केंद्र बनता जा रहा है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजसेवी जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान जैसी पुण्य सेवा ने केवल समाज को ही नहीं, बल्कि स्वयं हमारे जीवन की सोच, जीवन पद्धति और दृष्टिकोण को भी पूरी तरह बदल दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में समाज को केवल आर्थिक प्रगति की नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक जागरण की भी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का थोड़ा समय सेवा और परोपकार के कार्यों में लगाए तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेगा।

इस अवसर पर अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, शिव भगवान, रेणु गुप्ता एवं राजेश सर योगा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

प.पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी, म.सा. कि अज्ञानुवर्तीनी प.पू. गणनिप्रवरा श्री सूलोचनाश्रीजी म.सा.की विदुषी शिष्या असम प्रभाविका प.पू. प्रियस्मिताश्रीजी म.सा.प.पू. डा. प्रियलताश्रीजी म.सा.आदि ठाण 8 के नवग्रह (चवेला)मंदिर में दर्शन वंदन करते हुए और फिलखाना में स्थिरता के लिए विनती करते हुए खरतरगच्छ जैन श्री संघ के सचिव ओम प्रकाश हुंडिया, सह सचिव किशोर कटारिया संघवी, केयुप के अध्यक्ष रमेश पारख, विहार सेवा समिति के प्रमुख विक्रमसिंह ढड्ढा, कांतिलाल छाजेड़ और संदीप तातेड। गुरूवर्या आदि ठाणा का भी आगामी चातुर्मास कारवान दादावाड़ी में होगा।

किसानों के मुद्दे पर टीआरएस का प्रदर्शन, पार्टी प्रमुख कविता गिरफ्तार

हैदराबाद 22 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) प्रमुख एवं पूर्व सांसद के कविता को किसानों की समस्याओं को लेकर तेलंगाना सचिवालय के बाहर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और बाद में उन्हें फलकनुमा पुलिस थाने ले जाकर रिहा कर दिया गया।

प्रदर्शन के दौरान सुश्री कविता ने राज्य सरकार पर किसानों के प्रति निर्दयी और उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धान खरीद में देरी के कारण किसान अपनी फसल के ढेर पर ही दम तोड़ रहे हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर संकट पर ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने विरोध स्वरूप सड़क पर धान बिखेरकर धरना दिया और सरकार विरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों में मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की एक भी समीक्षा बैठक नहीं की है। भीषण 48 डिग्री तापमान में किसान खरीद केंद्रों पर बिना किसी मूलभूत सुविधा के परेशान हो रहे हैं।

टीआरएस प्रमुख ने सरकार पर खरीद प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि बोनस देने से बचने के लिए ग्रेड-ए धान को जानबूझकर ग्रेड-बी में दर्ज किया जा रहा है। साथ ही तरुगु के नाम पर वजन में कटौती कर किसानों का शोषण किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.